जो ईश्वर की हस्ती
के बारे में शंका
करता है,
उसका
नाश होता है।
-महात्मा गांधी-

दैनिक
लोकजीवन
www.lokjeewan.com
जयपुर एवं भीलवाड़ा से प्रकाशित राज्य स्तरीय समाचार पत्र
संस्थापक - स्व. डॉ. शिवकुमार जी त्रिवेदी

लोक जीवन में विज्ञापन
के लिए सम्पर्क करें:-
- : जयपुर : -
0141-4038281
- : भीलवाड़ा : -
8306792625

वर्ष- 19 | अंक- 192 | जयपुर. बुधवार . | 11 नवम्बर , 2026 | RNI No. RAJHIN/2008/26744 | मूल्य 1 रूपया | पृष्ठ - 4

न्यूज इनबॉक्स

सोनिया पर कंगना का तीखा वार, गांधी परिवार के इतिहास पर उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। अभिनेत्री और भारतीय जनता पार्टी की सांसद कंगना रनौत अपने बयानों को लेकर चर्चा में रहती हैं। उन्होंने कांग्रेस की सीनियर नेता सोनिया गांधी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने सोनिया गांधी के राजनीतिक रूप से प्रमुख बनने पर सवाल उठाए और गांधी परिवार से जुड़ी घटनाओं के सिलसिले को कई संयोगों की एक श्रृंखला करार दिया है। अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर कंगना ने सोनिया गांधी को लेकर लिखा, हर कोई एनवीडिया हनी ट्रैप विवाद के बारे में बात कर रहा है। आपातकाल (इमरजेंसी) के दौर को लेकर मैंने भारतीय राजनीति और गांधी परिवार पर काफी रिसर्च की है। मुझे यह बात कभी समझ नहीं आई कि कैसे एक रहस्यमयी विदेशी नागरिक गांधी परिवार में आती है, फिर इंदिरा गांधी, संजय गांधी और राजीव गांधी, जो सत्ता के संभावित उत्तराधिकारी थे- सब मारे जाते हैं। अंत में सत्ता के लिए केवल एक ही विकल्प बचता है, वह विदेशी नागरिक सोनिया गांधी। कंगना ने आगे लिखा लोगों को यह भी अजीब नहीं लगा कि इतने सारे संयोग एक साथ कैसे हो गए। यही नहीं उस विदेशी महिला ने खुलेआम विदेशी एजेंडे को बढ़ावा दिया और आतंकवादियों के लिए मगरमच्छ के आंसू बहाए। फिर भी वह दशकों तक सरकार चलाती रहीं, जब तक कि 2014 का समय नहीं आ गया।

जयपुर को जाम से मिलेगी राहत, शहर के बाहर से ही हाईवे बदल सकेंगे वाहन

जयपुर (कासं)। राजधानी जयपुर में लगातार बढ़ते यातायात दबाव को कम करने और बाहरी वाहनों को शहर के भीतर प्रवेश किए बिना एक हाईवे से दूसरे हाईवे तक पहुंचाने के लिए रिंग रोड परियोजनाओं पर काम आगे बढ़ रहा है। उत्तर और दक्षिण रिंग रोड के विकसित होने से दिल्ली, आगरा, अजमेर और सीकर की ओर से आने-जाने वाले वाहनों को वैकल्पिक मार्ग मिल सकेगा। इससे शहर की प्रमुख सड़कों पर वाहनों का दबाव घटने और जाम की समस्या में राहत मिलने की उम्मीद है। उत्तर रिंग रोड परियोजना इस योजना का महत्वपूर्ण हिस्सा है। करीब 99.35 से 101 किलोमीटर लंबी प्रस्तावित सड़क पर लगभग 11,764 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। इसके लिए केंद्र सरकार से मंजूरी मिलने के बाद भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया आगे बढ़ाई है। इसके तहत राष्ट्रीय राजमार्ग अधिनियम की धारा 3ए के अंतर्गत अधिसूचना जारी की गई है। प्रस्तावित उत्तर रिंग रोड जयपुर के बाहरी क्षेत्र में चौमूं, आमेर, जमवारामगढ़, बस्सी, चंदवाजी और अचरोल जैसे इलाकों को जोड़ने का काम करेगी। इससे इन क्षेत्रों के बीच आवागमन सुगम होने के साथ आसपास के ग्रामीण इलाकों को भी बेहतर सड़क संपर्क मिल सकेगा। परियोजना का उद्देश्य शहर के भीतर से गुजरने वाले बाहरी यातायात को वैकल्पिक रास्ता उपलब्ध कराना है। वर्तमान में दिल्ली, सीकर, आगरा और अजमेर की ओर से आने वाले कई वाहन शहर के व्यस्त मार्गों से होकर गुजरते हैं। इससे खासकर प्रमुख चौराहों, बाइपास और औद्योगिक क्षेत्रों के आसपास यातायात का दबाव बढ़ता है। रिंग रोड तैयार होने के बाद ऐसे वाहनों को शहर के भीतरी हिस्सों में आए बिना आगे बढ़ने का विकल्प मिल सकेगा।

राजस्थान में रोजगार का नया मौका, तीन भर्तियों के विज्ञापन जल्द

जयपुर (कासं)। राजस्थान में सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए नवंबर का महीना महत्वपूर्ण हो सकता है। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड (आरएसएसबी) की ओर से करीब 2,400 पदों पर तीन नई भर्तियों के विज्ञापन जारी करने की तैयारी की जा रही है। इनमें शारीरिक शिक्षा अनुदेशक (पीटीआई), कनिष्ठ अभियंता (जेईएन) और टैक्स असिस्टेंट के पद शामिल हैं। बोर्ड की तैयारी के अनुसार इन भर्तियों के विज्ञापन नवंबर में जारी किए जाने हैं। प्रस्तावित भर्तियों में सबसे अधिक करीब 1,200 पद शारीरिक शिक्षा अनुदेशक के हैं। इन पदों पर शिक्षा विभाग में नियुक्तियां की जानी हैं। सरकारी स्कूलों में खेल गतिविधियों और शारीरिक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिहाज से यह भर्ती महत्वपूर्ण मानी जा रही है। इसके लिए शारीरिक शिक्षा से संबंधित निर्धारित डिप्लोमा या डिग्री और अन्य जरूरी शैक्षणिक योग्यताएं अनिवार्य होंगी। विस्तृत जानकारी विज्ञापन जारी होने के बाद सामने आएगी। दूसरी भर्ती कनिष्ठ अभियंता के करीब 900 पदों के लिए प्रस्तावित है। ये पद नगरीय विकास एवं आवासन विभाग, जल संसाधन विभाग और संबंधित विभागों में भरे जाने हैं। बोर्ड अध्यक्ष आलोक राज के अनुसार जेई भर्ती का विज्ञापन 15 नवंबर तक जारी होने की संभावना है। इस भर्ती में अलग-अलग इंजीनियरिंग शाखाओं के अनुसार तकनीकी योग्यता निर्धारित रहेगी। तीसरी भर्ती वित्त विभाग के अंतर्गत टैक्स असिस्टेंट के करीब 300 पदों के लिए होगी। इस भर्ती के लिए भी नवंबर में विज्ञापन जारी करने की तैयारी है।

भारत ने झूठे नैरेटिव पर जताई कड़ी नाराजगी

बांग्लादेश की झुग्गियों के वीडियो को दिल्ली का बताने पर विदेश मंत्रालय ने जताई आपत्ति, कार्रवाई की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्रालय ने यूक्रेन-रूस युद्ध, बांग्लादेश में चीन के व्लॉगर्स की गतिविधियों, खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू के मामले और अमेरिका के मध्यावधि चुनाव को लेकर भारत का रूख साफ किया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मंगलवार को कहा कि भारत यूक्रेन और रूस के बीच शांति स्थापित करने के लिए लगातार दोनों देशों के संपर्क में है।

वहीं, बांग्लादेश की झुग्गी-बस्तियों के वीडियो को दिल्ली का बताकर दिखाने की कोशिशों को उन्होंने दुर्भाग्यपूर्ण बताया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के बीच हुई बातचीत को लेकर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत का शुरू से यही मानना रहा है कि शांति केवल बातचीत और कूटनीति के रास्ते ही बहाल हो सकती है। हाल के महीनों में प्रधानमंत्री मोदी ने भी लगातार इस बात पर जोर दिया है कि युद्ध रुकना चाहिए और संघर्ष खत्म होना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत इस दिशा में रूस और यूक्रेन दोनों के संपर्क में है और दोनों देशों के साथ कुछ सुझाव साझा किए हैं।

इनमें काला सागर में जहाजों की सुरक्षा सुनिश्चित करना, ऊर्जा निर्यात और खाद्य आपूर्ति को लेकर दोनों देशों की चिंताओं का समाधान करना और हमले से बचने के दूसरे विकल्पों पर विचार करना शामिल है।



जायसवाल ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी और जेलेंस्की के बीच हुई टेलीफोन पर बातचीत में दोनों नेताओं ने संघर्ष से जुड़े ताजा घटनाक्रमों पर अपने-अपने विचार रखे। इस दौरान मानवीय मुद्दों पर खास तौर पर चर्चा हुई।

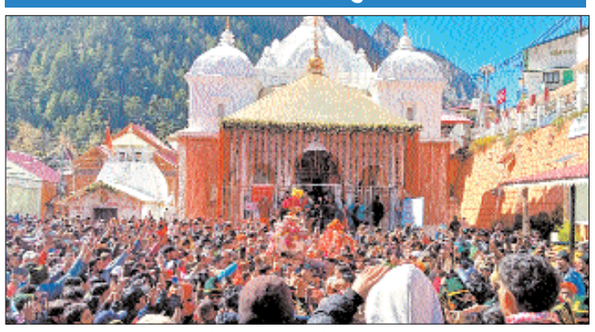
दोनों नेताओं ने शांति बहाल करने के लिए चल रहे दूसरे प्रयासों पर भी बात की। प्रधानमंत्री मोदी ने यूक्रेन में शांति स्थापित करने में मदद के लिए हर संभव प्रयास करने की भारत की प्रतिबद्धता दोहराई। जायसवाल के मुताबिक, इस बातचीत के बाद विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से भी बात की।

दोनों नेताओं ने यूक्रेन संघर्ष को लेकर चल रही कूटनीतिक कोशिशों पर चर्चा की।

बांग्लादेश की झुग्गी-बस्तियों से चीनी व्लॉगर्स की ओर से कथित तौर पर लाइव स्ट्रीमिंग किए जाने और वहां के दृश्यों को दिल्ली का बताकर पेश करने के मामले पर भी विदेश मंत्रालय ने प्रतिक्रिया दी। रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत ने इस संबंध में मीडिया रिपोर्टें देखी हैं। किसी देश की गलत तस्वीर पेश करने की कोशिश दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि ढाका को दिल्ली के रूप में दिखाने के लिए बाहरी लोगों का इस्तेमाल करना और इस तरह के झूठे नैरेटिव फैलाना उन लोगों की विश्वसनीयता को ही नुकसान पहुंचाता है, जो ऐसा कर रहे हैं और जिनके इशारे पर यह सब किया जा रहा है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने का आग्रह भी किया।

गंगोत्री के कपाट बंद, मुखबा के लिए रवाना हुई मां गंगा की डोली गंगोत्री

इस सीजन में 10 लाख श्रद्धालुओं ने किए दर्शन



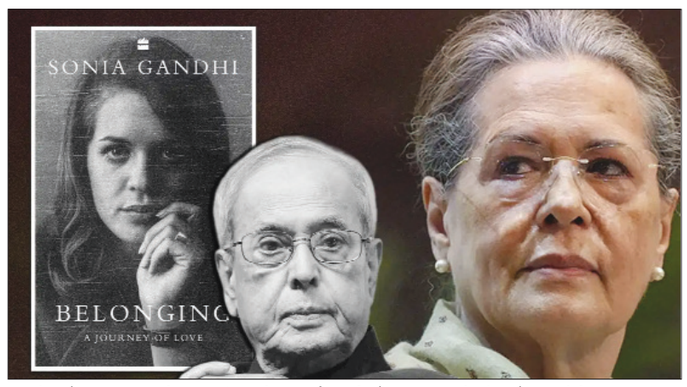
(एजेंसी)। उत्तरकाशी के गंगोत्री धाम के कपाट मंगलवार को दोपहर 12:05 बजे वैदिक मंत्रोच्चार और विधि-विधान के साथ शीतकाल के लिए बंद कर दिए गए। इस साल 19 अप्रैल को कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोले गए थे। कपाट बंद होने से पहले मंदिर को 5 क्विंटल फूलों से सजाया गया। इसके बाद सेना के बैंड की धुन के साथ मां गंगा की उत्सव डोली शीतकालीन प्रवास के लिए रवाना हुई। मां गंगा की डोली करीब 25 किमी की यात्रा कर मुखबा पहुंचेगी। गंगोत्री धाम से करीब 8 किमी चलने के बाद डोली पहले पड़ाव भैरव मंदिर पहुंचेगी। यहां से करीब 16 किमी की यात्रा कर डोली मार्कण्डेय मंदिर पहुंचेगी, जहां रात्रि विश्राम होगा। 11 नवंबर को डोली यहां से करीब 1 किमी की दूरी तय कर मुखबा मंदिर पहुंचेगी। अगले छह महीने तक मुखबा में ही मां गंगा की पूजा-अर्चना होगी और श्रद्धालु दर्शन कर सकेंगे। सुबह गंगोत्री धाम में करीब 200 श्रद्धालु मौजूद थे, लेकिन कपाट बंद होने से पहले इनकी संख्या बढ़कर एक हजार से ज्यादा हो गई। मंदिर समिति के अनुसार, इस सीजन में करीब 10 लाख श्रद्धालुओं ने मां गंगा के दर्शन किए। चारधाम के कपाट बंद होने के कार्यक्रम के अनुसार, यमुनोत्री और केदारनाथ धाम के कपाट 11 नवंबर को क्रमशः सुबह 10:28 और 8:30 बजे बंद होंगे। वहीं, बद्रीनाथ धाम के कपाट 16 नवंबर को रात 9:37 बजे बंद किए जाएंगे। शीतकाल में यमुनोत्री के खरसाली, केदारनाथ के ऊखीमठ स्थित ओंकारेश्वर मंदिर और बद्रीनाथ के पांडुकेश्वर व जोशीमठ में पूजा-अर्चना होगी।

आत्मकथा 'बिलॉन्गिंग' में सोनिया गांधी का खुलासा

2010 में प्रणब मुखर्जी ने जताई थी प्रधानमंत्री बनने की इच्छा: सोनिया गांधी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने अपनी आत्मकथा में एक बड़ा खुलासा करते हुए बताया है कि पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने 2010 में प्रधानमंत्री बनने की अपनी दबी हुई महत्वाकांक्षा का संकेत दिया था। समाचार एजेंसी पीटीआई के अनुसार, सोनिया गांधी ने अपनी किताब में लिखा है कि प्रणब दा ने बातचीत के दौरान सुझाव देकर उन्हें चौंका दिया था कि शायद अब शीर्ष स्तर पर बदलाव का समय आ गया है। सोनिया गांधी की आत्मकथा 'बिलॉन्गिंग: अ जर्नी ऑफ लव' में उन्होंने यूपीए सरकार के दौरान खुद पर लगे बैक सीट ड्राइवर के आरोपों को भी पूरी तरह खारिज किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मनमोहन सिंह ही देश के प्रधानमंत्री थे और पार्टी अध्यक्ष होने के नाते वह उन्हें सलाह दे सकती थीं या मतभेद रख सकती थीं, लेकिन अंतिम निर्णय का सम्मान करना उनका कर्तव्य था।

किताब में सोनिया गांधी लिखती हैं कि यूपीए सरकार और कांग्रेस संगठन के बीच तालमेल बनाए रखने के लिए एक कोर ग्रुप हर हफ्ते प्रधानमंत्री के साथ बैठक करता था। इसमें प्रणब मुखर्जी, अर्जुन सिंह, ए.के. एंटनी और अहमद पटेल शामिल थे। इसके अलावा संसद की रणनीति तय करने वाली बैठकों के बाद भी कभी-कभार प्रणब मुखर्जी उनसे बातचीत के लिए रूक जाया करते थे।



सोनिया गांधी याद करती हैं कि तत्कालीन वित्त मंत्री पी. चिदंबरम के साथ प्रणब मुखर्जी के गंभीर मतभेद पैदा हो गए थे। इसी दौरान 2010 में एक बार अपनी नाराजगी और हताशा व्यक्त करते हुए उन्होंने अचानक यह सुझाव दिया कि शायद अब शीर्ष पर बदलाव का समय है।

सोनिया लिखती हैं कि वह इस सुझाव से हैरान रह गई थीं और उन्होंने तुरंत समझ लिया कि यह प्रधानमंत्री बनने की उनकी पुरानी चाहत का संकेत था। सोनिया ने लिखा कि मैंने बहुत शालीनता से बात का रूख मोड़ दिया। प्रणब जी शायद निराश हुए होंगे, लेकिन उन्होंने कभी इसका बुरा मानकर मेरे प्रति कोई कड़वाहट नहीं दिखाई। बाद में 2012 में कांग्रेस ने उन्हें राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाया और वे देश के सर्वोच्च पद पर आसीन हुए। सोनिया गांधी ने लिखा कि उनके और डॉ. मनमोहन सिंह के बीच जिम्मेदारियों का एक अलिखित लेकिन स्पष्ट बंटवारा था, जिसने 10 साल तक बेहतरीन काम किया कि सरकार का नेतृत्व डॉ. मनमोहन सिंह के पास था और संगठन की कमान मेरे पास। उन्होंने कहा कि वह हर हाल में इस बात को लेकर सतर्क थीं कि पार्टी और सरकार के बीच किसी भी गलतफहमी की गुंजाइश न बने, जिससे विपक्ष को जश्न मनाने या सरकार को कमजोर करने का कोई मौका मिले। सोनिया गांधी ने यूपीए शासन के दौरान लगाए गए उन आरोपों को सिरे से खारिज किया, जिनमें कहा जाता था कि वह सरकार के कामकाज में दखल देती थीं। उन्होंने प्रधानमंत्री के पूर्व सहयोगी संजय बारू द्वारा लिखी गई किताब में किए गए दावों को दुर्भावनापूर्ण और पूरी तरह झूठा करार दिया। उन्होंने लिखा कि विपक्ष द्वारा यह मनगढ़ंत आरोप फैलाया गया कि मैं पीएमओ से फाइलें मंगाती थी, प्रशासनिक मामलों में दखल देती थी और प्रमुख नियुक्तियां तय करती थी। जीवन में मैंने कई कड़े आरोप झेले हैं, लेकिन इस झूठे दावे ने मुझे सबसे ज्यादा आहत किया कि मैं सरकारी फाइलें देखती थी, जो कि सरकार से बाहर के किसी भी व्यक्ति के लिए बिल्कुल अनुचित होता।

दीपावली स्नेह मिलन समारोह

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने की दीपावली की रामा-श्यामा

प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में पहुंचे आमजन, मुख्यमंत्री ने सभी से आत्मीय मुलाकात कर दीं शुभकामनाएं





जयपुर (कासं)। मंगलवार को मुख्यमंत्री आवास पर दीपावली स्नेह मिलन समारोह में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में पहुंचे आमजन के साथ दीपावली की खुशियां साझा कीं तथा उनके जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इस दौरान मुख्यमंत्री से मुलाकात को लेकर आगन्तुकों में खासा उत्साह देखने को मिला। मुख्यमंत्री ने सभी का आत्मीयता के साथ अभिवादन स्वीकार करते हुए दीपोत्सव की मंगलकामनाएं दीं। उन्होंने उपस्थित लोगों के साथ संवाद कर उनके हालचाल, कुशलक्षेम भी जानी। समारोह में जनप्रतिनिधियों, सामाजिक, धार्मिक एवं व्यापारिक संगठनों के पदाधिकारियों, समाज के विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधियों सहित बड़ी संख्या में आमजन की सहभागिता रही।

दैनिक लोकजीवन
जयपुर एवं भीलवाड़ा से एक साथ प्रकाशित
संस्थापक - स्व. श्री शिवकुमार जी सिंघी

डिजिटल दासता में जकड़ा आम आदमी

देश का हरेक आम नागरिक तो सॉफ्टवेयर या एप्स की एचटीएमएल यानी कूट भाषा का विशेषज्ञ नहीं है, जो वह साइबर ठगों द्वारा अपने मोबाइल फोन के नंबरों या किसी एप्स के पासवर्ड या अन्य कीवर्ड के गलत इस्तेमाल की पूर्व जानकारी, पूर्व सूचना व पूर्वाभास प्राप्त कर लेगा। जब मोबाइल फोन के माध्यम से व्यक्तियों के व्यवसाय, बैंक, पहचान, गैस, स्कूल, कॉलेज तथा अन्य क्षेत्रों की जानकारी इंटरनेट की सार्वजनिक दुनिया में उपलब्ध है, तो साइबर ठगों से साधारण व्यक्ति साइबर विशेषज्ञ हुए बिना कैसे सुरक्षित हो सकता है! मोबाइल फोन पर वीडियो तथा अन्य चीजें देखने, सुनने एवं अपनाने की आदत तो शासन ने लोगों को उनकी अनुमति-सहमति के बिना लगा ही दी है। बाकायदा इसके लिए लोगों से अधिक शुल्क वसूल किया जाता है। ऐसी आदत के बाद लोगों की स्मृति कमजोर हो रही है।

उनकी स्मरणशक्ति दिन-प्रतिदिन कम हो रही है। डिजिटल दासता से घिरकर अपनी ऐसी स्थिति में भला आम आदमी साइबर ठगी के प्रति उस स्तर का जागरूक व्यक्ति कैसे हो सकता है, जैसे शासन उससे अपेक्षा कर रहा है! तंत्र में दूरसंचार विभाग के शासन का यह कैसा खेल है, जिसमें वह अपने संचालन हेतु प्रतिनिधियों अर्थात नेताओं के चुनाव के लिए तो लोकसभा से लेकर विधानसभा तक के चुनाव करवाता है, किंतु अपने चुनावी घोषणापत्रों के अतिरिक्त, आकस्मिक रूप से बनने वाली नीतियों के निर्माण व क्रियान्वयन के लिए कभी भी जनता की सलाह, सहमति या अस्वीकृति का देशव्यापी अभियान नहीं चलाता है। उदाहरण के लिए जब देश में दूरसंचार की नीति बनी और इसका क्रियान्वयन आरंभ हुआ तो जनता से इस बारे में कुछ नहीं पूछा गया कि उन्हें दूरसंचार की अवसंरचना चाहिए अथवा नहीं। भौतिक वस्तुएं एवं सेवाएं प्राप्त करने के लिए लालायित जनता, दीर्घावधि में प्रकट ऐसी वस्तुओं एवं सेवाओं के नवोन्मेष वैज्ञानिक रूप के व्यक्ति, परिवार व समाज पर पडने वाले दुष्प्रभावों से अनभिज्ञ होती है। ऐसा ही दूरसंचार सेवा के विषय में भी हुआ। आज दूरसंचार सेवा केवल संदेश सेवा तक ही सीमित नहीं रही। यह मोबाइल फोन के माध्यम से बहुसंचारक प्रणाली में परिवर्तित हो चुकी है। अंतर्जाल अर्थात इंटरनेट की तीव्र गति के कारण अनेक सॉफ्टवेयर कंपनियां विविध प्रकार के अनुप्रयोग (एप्लिकेशन्स) बना रहे हैं, जिनके माध्यम से लोगों को विभिन्न प्रकार की सरकारी, सामाजिक एवं आर्थिक सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। ऐसे अनुप्रयोग, सेवा प्रदान करने वाले सरकारी एवं निजी संस्थानों के विशिष्ट सॉफ्टवेयर से संबद्ध होते हैं और आरंभ में नि:शुल्क तथा कालांतर में सशुल्क लोगों को सेवाएं उपलब्ध कराते हैं। यह कार्यक्रम विगत दस-पंद्रह वर्षों में अत्यधिक तेजी से बढ़ा है। आधुनिक तकनीक एवं प्रौद्योगिकियों में भारत से अधिक उन्नत अमेरिका, चीन एवं अन्य देशों में ऐसे कार्यक्रम 10-15 वर्षों से भी बहुत पहले से आरंभ हैं। भारत के संदर्भ में देखें तो दूरसंचार सेवा के व्यक्तिगत उपयोग के लिए मोबाइल फोन, सिम कार्ड तथा दोनों संसाधनों के क्रयार्थ व्यक्तिगत पहचान-पत्रों की आवश्यकता होती है। दोनों ही संसाधनों पर व्यक्ति का धन व्यय होता है।

इन दोनों के संयुक्त हो जाने पर प्राप्त होने वाली दूरसंचार एवं बहुसंचारण सेवाओं के लिए व्यक्तियों को अपने प्रामाणिक पहचान-पत्र सेवा प्रदाता कंपनियों एवं उनके खुदरा व्यापारियों के पास जमा करने होते हैं। सिम कार्ड से संचालित मोबाइल फोन के नंबर व्यक्तियों के बैंक खातों से भी जुड़ चुके हैं। ऐसे में ऑनलाइन एवं साइबर ठगी का एक गोपनीय तंत्र भी देश-दुनिया में बुरी तरह से सक्रिय रहा है और अब भी सक्रिय है, जिस पर लाख प्रयासों के बाद भी भारत एवं अन्य देश स्थायी नियंत्रण करके उसे समाप्त नहीं कर पाए हैं। यह तंत्र देश के सज्जन नागरिकों को ऑनलाइन ठगी के जाल में फांसता है। ऐसे अनेक प्रकरण देश में पहले ही घटित हो चुके हैं। किंतु दुर्भाग्य से इस पर स्थायी नियंत्रण की दिशा में शासन के अभियान विफल ही सिद्ध हुए हैं। ऑनलाइन ठगी का सबसे विलक्षण तरीका है, दूरसंचार सेवा पाने के लिए दूरसंचार कंपनियों के मूल एवं फुटकर सेवा प्रदाताओं के पास सिम खरीद हेतु जमा किए गए व्यक्तियों के विभिन्न पहचान-पत्र, जिन्हें चोरी किया जाता है। लोकतंत्र का यह अर्थ तो कदापि नहीं हो सकता है कि आम लोगों को सरकारी कामों का भी उत्तरदायित्व सौंप दिया जाए। लोकतंत्र की बातें ही बातें होती रही हैं, मगर अभी तक तंत्र करदाताओं के रूप में उपस्थित लोगों की सुविधा नहीं बन सका है। यह लोकतंत्र की सबसे बड़ी विभीषिका है। यह कैसी विडंबना है कि हिंदू समाज का प्रत्येक परिवार तो अधिक से अधिक एक या दो ही बच्चों तक सीमित है, किंतु पूरे देश की जनसंख्या दुनिया में सबसे ज्यादा है। यह विरोधाभास न केवल लोकतंत्र अपितु लोकतंत्रगत अनेक नीतियों के समुचित संचालन के लिए बड़ी बाधा है। दुर्भाग्य से इस दिशा में तंत्र के सभी कार्यकारी स्तंभ विचारशून्य हैं। भारतीय तंत्र की ऐसी ही एक विरोधाभासी नीति है डिजिटल इंडिया। पहले धीरे-धीरे और तीव्रतापूर्वक यह नीति दासता की समस्या बन चुकी है। गत 21 सितंबर 2026 को शासन के दूरसंचार विभाग ने फर्जी तरीके से सिम जारी करने, दूरसंचार पहचान संख्या यानी मोबाइल नंबर के गलत इस्तेमाल और मोबाइल के आईएमईआई नंबर से छेड़छाड़ को लेकर एक सार्वजनिक परामर्शिका जारी की। विभाग के अनुसार ऐसे प्रकरणों में दंड के रूप में 3 वर्ष तक का कारावास और 50 लाख रुपए तक अर्थदंड हो सकता है, इसलिए उपभोक्ता अपने स्तर पर भी सावधानी बरतें। यह परामर्शिका विभाग ने तब निकाली जब मध्य प्रदेश लाइसेंस सेवा क्षेत्र में फर्जी तरीके से सिम जारी किए जाने से संबद्ध एक प्रकरण का पता चला। इस प्रकरण में साइबर अपराध का संदर्भ लेकर की गई जांच में ज्ञात हुआ कि छत्तीसगढ़ में एक 'प्वाइंट ऑफ सेल एजेंट' ने नागरिकों के दस्तावेजों का उनकी जानकारी और सहमति के बिना इस्तेमाल कर 25 मोबाइल कनेक्शन जारी कर दिए। इसके बाद दूरसंचार विभाग और संबंधित दूरसंचार कंपनियों ने पीओएस एजेंट को कालीसूची में डाल दिया। इस घटना के पश्चात दूरसंचार विभाग ने कुछ सभी के लिए कुछ सतर्कता निर्देश जारी किए हैं। एक, फर्जी दस्तावेज पर सिम न लें। दो, अपने नाम पर जारी सिम किसी दूसरे व्यक्ति को न दें, बेचें अथवा किराये पर न दें। तीन, साइबर अपराध, गैर-कानूनी गतिविधि के लिए सिम उपलब्ध न कराएं। चार, आईएमईआई नंबर में परिवर्तन करने वाले उपकरणों का इस्तेमाल न करें। पांच, मोबाइल एप, वेबसाइट या किसी अन्य माध्यम से कॉलिंग लाइन आइडेंटिटी (सीएलआई) या अन्य दूरसंचार पहचान संख्या में बदलाव न करें। छह, संचार साथी से सिम की जांच करें। सात, नागरिक पर जाकर इन सुविधाओं का इस्तेमाल कर सकते हैं अथवा संचार साथी मोबाइल एप डाउनलोड कर सकते हैं।

पीएम ई-बस सेवा में उदयपुर सिटी में 38 बसों में अक्टूबर में 241368 यात्रियों ने की प्रदूषणमुक्त यात्रा

विकास के हाईवे पर डबल इंजन सरकार: सड़कों का मजबूत नेटवर्क-सुगम हुआ उदयपुर का सफर

उदयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में दिसंबर 2023 में प्रदेश में नई सरकार के गठन के बाद विकास और आधारभूत ढांचे को गति देने पर विशेष जोर रहा है। इसी क्रम में उदयपुर शहर में भी सड़क एवं यातायात व्यवस्था को मजबूत करने के लिए कई बड़े प्रोजेक्ट्स को आगे बढ़ाया गया। दिसंबर 2023 से अक्टूबर 2026 तक की अवधि में शहर के व्यस्त मार्गों पर यातायात दबाव कम करने, कनेक्टिविटी बेहतर बनाने और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप सड़क नेटवर्क विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य हुए हैं।



एलिवेटेड रोड से ट्रैफिक को मिलेगी बड़ी राहत, 38 पीएम ई-बसों में 241368 ने 205655 किमी यात्रा की- शहर के व्यस्ततम मार्गों पर यातायात को सुगम बनाने के लिए 136.89 करोड़ रूपए की लागत से उदयपुर की पहली एलिवेटेड रोड का निर्माण कार्य इस अवधि में तेजी से आगे बढ़ा है। करीब 2.7 किलोमीटर लंबी यह एलिवेटेड रोड सिटी रेलवे स्टेशन से शुरू होकर उदियापोल, सूरजपोल, दिल्ली गेट और कलक्ट्रेट चौराहा होते हुए कोर्ट चौराहा के आगे कलक्टर निवास तक बनाई जा रही है। इस परियोजना की खासियत यह है कि कलेक्ट्री चौराहे के पास चिकित्सालय रोड की ओर जाने वाले वाहनों के लिए अलग निकास की सुविधा भी विकसित की जाएगी। इससे महाराणा भूपाल चिकित्सालय जाने वाली एंबुलेंस तथा मरीजों को शहर के व्यस्ततम चौराहों पर लगने वाले ट्रैफिक जाम से काफी राहत मिल सकेगी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गत 18 अगस्त को उदयपुर के लिए 38 पीएम ई— बसों का शुभारम्भ किया। अक्टूबर माह में 38 पीएम ई—बसों में 241368 शहरवासियों और पर्यटकों ने 205655 किमी यात्रा की। विदेशी पर्यटकों ने भी प्रधानमंत्रीजी की इस पहल का अभिनन्दन किया।

हाईवे और प्रमुख सड़कों का विस्तार- शहर से जुड़े प्रमुख मार्गों की क्षमता बढ़ाने के लिए प्रतापनगर से बलीचा के बीच 11.5 किलोमीटर लंबे नेशनल हाईवे-8 के चौड़ीकरण का कार्य भी प्रमुखता से आगे बढ़ाया गया है। आहड़ नदी पर बने हाई लेवल ब्रिज के चौड़ीकरण के साथ भुवाणा-अंबेरी रोड और रानी रोड के सुदृढ़ीकरण पर भी विशेष बजट खर्च किया गया है।

बाईपास और लिंक रोड से घटा दबाव- एकलिंगपुरा एनएच-8 बाईपास पर अंडरपास निर्माण तथा उदियापोल से चित्तौड़गढ़ रोड को जोड़ने वाली लिंक रोड के विकास से शहर के प्रमुख चौराहों पर यातायात का दबाव कम करने में मदद मिली है। इन कार्यों से शहर के भीतर यातायात के वैकल्पिक मार्ग मजबूत हुए हैं।

स्मार्ट मोबिलिटी को भी बढ़ावा- उदयपुर को आधुनिक और स्मार्ट शहर के रूप में विकसित करने के लिए 272.32 करोड़ रूपए के नए विकास कार्य प्रस्तावित एवं संचालित किए जा रहे हैं।

इनमें शहरी परिवहन, मोबिलिटी में सुधार तथा कमांड एंड कंट्रोल सेंटर को मजबूत करने जैसे कार्य शामिल हैं। इस प्रकार सड़क सुदृढ़ीकरण, नए मार्गों के विकास, हाईवे विस्तार और स्मार्ट मोबिलिटी से जुड़े कार्यों ने उदयपुर के शहरी परिवहन तंत्र को नई दिशा दी है। आने वाले समय में इन परियोजनाओं के पूर्ण होने के साथ शहरवासियों को और अधिक सुगम, सुरक्षित और निर्बाध आवागमन की सुविधा मिलने की उम्मीद है।

दिसंबर 2023 में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार बनने के साथ प्रदेश में बुनियादी सुविधाओं के दीर्घकालिक विस्तार पर जोर दिया गया।

उदयपुर में इसका एक महत्वपूर्ण पक्ष जल और विद्युत जैसी मूलभूत जरूरतों को भविष्य की मांग के अनुरूप मजबूत करना रहा है। दिसंबर 2023 से अब तक शहर की जल सुरक्षा और बिजली आपूर्ति व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए कई महत्वपूर्ण कार्य आगे बढ़ाए गए हैं।

पेड प्रचार, राजनीतिक एजेंडे और एआई से तैयार भ्रामक सामग्री के बढ़ते प्रभाव के बीच तथ्य जांचने और विश्वसनीय स्रोतों की पड़ताल की जरूरत

समाचार का स्रोत क्या है : खबरों की जांच करने के लिए पहला कदम होना चाहिए, उसके स्रोत की खोज। खबरें किस तरह से आ रही हैं, कहां से आ रही हैं और क्या उसके साथ कोई सार्थक नाम भी है? अगर खबर के स्रोत का पता चल जाता है तो फिर उसकी सच्चाई भी उजागर हो जाती है। वह खबर किसी समाचार एजेंसी की है या फिर किसी जाने-माने समाचार पत्र-पत्रिका या टीवी चैनल की है तो फिर बात बन जाएगी। खबर के स्रोत का ध्यान रखना जरूरी है। इसी से उसकी प्रामाणिकता की जांच होती है। सोशल मीडिया पर सैकड़ों छोटे-छोटे चैनल हैं जो खबरें परोसते हैं। उन सभी का एक ही उद्देश्य होता है, अधिक से अधिक व्यू लेना। वे इसके लिए जाल बुनते हैं, खबरों को सनसनीखेज बनाते हैं और चटकारे लेने के अंदाज में या चौंकाने वाले अंदाज में उन्हें पेश करते हैं। कुछ चैनल 'शूट एंड स्कूट' के जरिये व्यूज बटोरते हैं। इसमें कोई झूठी खबर फैला दी जाती है और बाद में उसे हटा दिया जाता है। तब तक वह खबर वायरल हो जाती है और यूट्यूबर अथवा चैनल चलाने वाले का मकसद पूरा हो जाता है। किसी जमाने में इस तरह की खबरें पेश करने वालों को अच्छी निगाहों से नहीं देखा जाता था और ऐसी पत्रकारिता को पीत पत्रकारिता कहते थे। ऐसी खबरों पर यकीन करने के पहले उसके स्रोत को जरूर जान लें। ये किसी खास मंशा से परोसी जाती हैं। कोरोना काल में ऐसी सैकड़ों खबरें फैलाई जा रही थीं जिनका सच्चाई से कोई लेना-देना नहीं था। कई दवाइयों के नाम फैलाये जा रहे थे और कहा जा रहा था कि इनसे कोरोना रुक सकता है या मरीज ठीक हो सकता है। इसमें बाबा रामदेव की दवा कोरोनिल भी थी जिसके लिए उन्हें काफी लानत-मानत झेलना पड़ा था। प्राकृतिक आपदा के उस कठिन समय में यह साबित करना बड़ा मुश्किल था कि यह खबर सच्ची है या फिर ये दवा अच्छी है। तरह-तरह के दावे पेश किए जा रहे थे और समाचार पत्रों के लिए सच का पता लगाना कठिन होता जा रहा था। लेकिन उस समय भी कई समाचार पत्रों ने बहुत बढ़िया कार्य किया और दूध का दूध, पानी का पानी कर दिखाया।

उन्होंने सोशल मीडिया पर छाई हुई खबरों को सही ढंग से समझा और फर्जी खबरों तथा दावों को उजागर किया। खबरों को पढ़कर स्वविवेक से भी थोड़ा बहुत जाना जा सकता है कि इसमें सच्चाई कितनी है। सोशल मीडिया पर बहुत सी खबरें फ्लैशी होती हैं। थोड़े से प्रयास से पता चल जाता है कि ये फर्जी हैं और किसी उद्देश्य विशेष से परोसी गई हैं। व्यूज लेने के अलावा सोशल मीडिया में अपना एजेंडा चलाने के आतुर लोग भी खबरें डालते हैं। इसमें राजनीतिक दल के लोग, उनके समर्थक और पेड यूट्यूबर बड़ी संख्या में शामिल हैं। अभी हाल ही में एक खुलासा हुआ जिसमें यूपी के एक बड़े नेता के पक्ष में इंस्टाग्राम में संबंधित खबरें चलाने के लिए कई सोशल मीडिया हैंडलर ने अपनी-अपनी फीस बता दी। इससे यह तो पता चल गया कि सोशल मीडिया पर ज्यादातर सामग्री पेड है। इसकी खबरों पर विश्वास करना जोखिम भरा हो सकता है। वहां पक्षपातपूर्ण खबरें भी हैं और पेड खबरें भी हैं। बड़ी मासूमियत से लिखी हुई खबरें भी हैं जो सीधे दिमाग में उतर जाती हैं। इसलिए वहां पूरी सावधानी की जरूरत है। खोजी गूगल जो दुनिया का सबसे बड़ा सर्च इंजिन है, बहुत विश्वसनीय नहीं माना जाता है लेकिन नए मेटा पर आप काफी हद तक विश्वास कर सकते हैं क्योंकि यह गहराई में जाकर खबरें बताता है। यह अपने स्रोत भी बताता है जिससे खबर की प्रामाणिकता का पता चलता है।

स्मार्टफोन और 5 जी इंटरनेट के इस युग में इस माध्यम का इस्तेमाल करना एक बढ़िया तरीका है। इंटरनेट पर सभी बड़े अखबार और समाचार एजेंसियां सक्रिय हैं जो आपको पल-पल की खबरें देती रहती हैं। इंस्टाग्राम या यूट्यूब पर आपको कोई ऐसी कोई खबर दिखे तो फौरन उपरोक्त तरीका अपनाएं, सच्चाई उजागर हो जाएगी। झूठी खबरें खोटे सिक्कों की तरह होती हैं जो जल्दी चल जाती हैं। इस कारण से कई मीडिया हाउसेज ने फर्जी खबरों की जांच के लिए व्यवस्था कर रखी है। भारत सरकार के प्रेस इन्फॉर्मेशन ब्यूरो ने भी फैक्ट चेक के लिए एक विशेष इकाई बना रखी है। उसने सैकड़ों झूठी खबरों का पर्दाफाश भी किया है। एआई की उत्पत्ति से जितने फायदे हुए हैं उससे कम नुकसान भी हुए हैं। कई तरह की खबरें लिखी जा रही हैं और उनके साथ ऐसे चित्र लगाए जा रहे हैं जो हूबहू लगते हैं। ऐसे में समाचार पत्रों के संवाददाताओं के लिए बड़ी समस्या खड़ी हो रही है। उनके लिए यह तय करना कि कौनसी खबर फर्जी है और कौन असली, कठिन चुनौती है। उनके पास समय का अभाव होता है क्योंकि उन्हें कई सारी खबरें एक निश्चित समय पर फाइल करनी होती है। इसमें गलती होने की गुंजाइश रहती है। यह स्वाभाविक सी बात है और ऐसी स्थिति में वह कर भी क्या सकता है।

इन दिनों पत्रकारों के लिए भी यह पता लगाना मुश्किल होता जा रहा है कि कौनसी खबर सही या प्रामाणिक है और कौन फर्जी। कई बार तो सच्ची खबरें ऐसी लगती हैं कि फर्जी हैं जबकि फर्जी खबरें असली लगती हैं। इसका कारण यह है कि वे दिमाग पर तेजी से असर डालती हैं, उनमें चौंकाने वाले तत्व होते हैं और वे लिखी भी ग्राह्य ढंग से जाती हैं। ऐसी खबरों के कारण समाचार पत्रों के संपादकों को यह समस्या होती है कि वे उन्हें पहचानें कैसे? कौनसी खबर फर्जी या झूठी है, यह जानना कठिन हो जाता है। पाठक के लिए तो ये खबरें बिल्कुल प्रामाणिक सी लगती हैं और वे उन पर सहज विश्वास भी कर लेते हैं। ऐसी खबरें काफी समय तक प्रामाणिक या सच बनकर मीडिया के ब्रह्मांड में घूमती रहती हैं और उस विषय से संबंधित सच्ची खबरों की काफी समय तक उपेक्षा की जाती रहीं। ऐसा नहीं है कि यह स्थिति भारत में ही है, बल्कि सारी दुनिया इस बीमारी से जूझ रही है और असल तथा नकल में पहचान करना मुश्किल होता जा रहा है। ये खबरें इतनी विश्वसनीय ढंग से पेश की जाती हैं कि उन्हें सच्चा मानना ही पड़ता है। इससे समाज को बहुत नुकसान होता है, विश्वसनीयता का संकट खड़ा हो जाता है।

कोरोना काल में हमने देखा कि हजारों समाचार हमारे सामने आ रहे थे और हम जाने-अनजाने में उन पर विश्वास कर रहे थे। अखबारों, टीवी चैनलों, न्यूज वेबसाइटों के लिए बड़ी संकटपूर्ण स्थिति थी। उस दौरान जब हालात ऐसे नहीं थे कि संवाददाता बाहर निकल कर हमेशा रिपोर्टिंग करे, तो ऐसे में चारों ओर से फर्जी खबरें आ रही थीं। उन्हें प्रमाणित मान लिया जाता था और उस पर सभी आंखें मूंदकर विश्वास कर लेते थे। यूट्यूब के जमाने में तो यह बीमारी और भी बढ़ गई है। खबरों को बढ़ा-चढ़ा कर पेश करना तो आम बात हो गई है। ऐसे विश्वास और लहजे में खबरें पेश की जा रही हैं कि उन्हें सच मानना ही पड़ता है। लेकिन जब सच्चाई पता चलती है तब तक देर हो चुकी होती है। कोरोना काल में ऐसी स्थिति से निबटने के लिए तीन संस्थाओं ने हाथ मिलाया और कुछ नुस्खे भी पेश किए क्योंकि उन्हें लग रहा था कि इनसे जान का संकट पैदा होने लगा है।

ये संस्थाएं थीं- ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी, थॉमसन रॉयटर्स, आईएमसी और यूनिसेफ। पहली दोनों संस्थाओं ने कुछ फॉर्मूले बताए और खबरों, खासकर स्वास्थ्य संबंधी खबरों की सच्चाई जानने के लिए मानक तैयार किया जिन पर उतर कर ही कोई खबर प्रमाणिक मानी जा सकती थी। यूनिसेफ ने जो बच्चों और किशोरों के स्वास्थ्य से जुड़ी हुई है, इसका प्रचार-प्रसार किया।

इन्हें क्रिटिकल ऐप्रेजल स्किल्स (सीएएस) कहा गया। हालांकि ये स्वास्थ्य संबंधी खबरों के लिए तैयार किए गए थे, लेकिन इनका उपयोग आम समाचारों के लिए भी किया जा सकता है और किया भी जा रहा है। दरअसल ये बहुत तार्किक ढंग और समझदारी से बनाए गए हैं जिनमें व्यावहारिकता है। कोई भी फॉर्मूला अगर व्यावहारिक न हो तो वह सफल नहीं होगा।

नशे के सौदागर पर बाड़मेर पुलिस का बड़ा आर्थिक प्रहार

हिस्ट्रीशीटर कौशलाराम की 3.37 करोड़ रुपये की अवैध संपत्ति फ्रीज

जयपुर (कासं)। महानिदेशक पुलिस राजस्थान राजीव कुमार शर्मा के निर्देशानुसार प्रदेश में चलाए जा रहे अभियान के क्रम में मादक पदार्थ तस्करी से अवैध रूप से अर्जित संपत्तियों के विरुद्ध बाड़मेर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए हिस्ट्रीशीटर एवं हार्डकोर अपराधी कौशलाराम और उसके परिजनों के नाम पर अर्जित कुल 3 करोड़ 36 लाख 79 हजार 665 रुपये की संपत्ति फ्रीज करवाई है। एनडीपीएस एक्ट के अध्याय 5-ए के तहत की गई इस कार्रवाई को सक्षम प्राधिकारी एवं प्रशासक, नई दिल्ली ने सुनवाई के बाद स्वीकृति प्रदान कर दी है।

फ्रीज की गई संपत्तियों में चार वाहन, आवासीय मकान, निर्माणाधीन मकान, भूखंड, तीन मंजिला भवन, कृषि भूमि, मेसनरी स्टोन खनन पट्टा तथा शराब की दुकान शामिल हैं। जिला पुलिस अधीक्षक चूनाराम जाट ने बताया कि पुलिस मुख्यालय एवं जोधपुर रेंज के निर्देशानुसार मादक पदार्थ तस्करी में लिप्त अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नितेश आर्य एवं वृत्ताधिकारी बायतु दीपेन्द्र सैनी के सुपरविजन में पुलिस थाना बायतु द्वारा यह कार्रवाई की गई। पुलिस थाना बायतु का हिस्ट्रीशीटर कौशलाराम पुत्र खेराजराम निवासी सउओ की ढाणी, भोजासर के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट सहित विभिन्न धाराओं में कुल 17 प्रकरण दर्ज हैं। इनमें एनडीपीएस एक्ट के 7 प्रकरणों में करीब 4,465.60 किलोग्राम डोडा पोस्त बरामद किया गया है।





पुलिस थाना सिवाना में दर्ज प्रकरण संख्या 105/2023 में आरोपी से जुड़े तीन वाहनों से 1,249.800 किलोग्राम डोडा पोस्त बरामद हुआ था।

आरोपी के विरुद्ध दर्ज एनडीपीएस एक्ट के प्रकरणों में सिरियारी, निम्बाहेड़ा सदर, छोटी सादड़ी, सुमेरपुर, सिवाना एवं गिड़ा थानों में दर्ज मामले शामिल हैं। इन मामलों में डोडा पोस्त के अतिरिक्त अफीम एवं एमडी की भी बरामदगी हुई है।

थानाधिकारी पुलिस थाना बायतु खेताराम द्वारा कौशलाराम एवं उसके परिजनों की संपत्तियों का वित्तीय अनुसंधान किया गया। जांच में सामने आया कि परिवार के पास संपत्तियां अर्जित करने का कोई वैध आय स्रोत नहीं था तथा ये संपत्तियां मादक पदार्थ तस्करी से अर्जित आय से खरीदी गई थीं। इस पर एनडीपीएस एक्ट की धारा 68-एफ के तहत 9 अक्टूबर 2026 को संपत्ति फ्रीज करने का आदेश जारी कर पुष्टि के लिए सक्षम प्राधिकारी एवं प्रशासक, नई दिल्ली को भेजा गया।

सक्षम प्राधिकारी ने सुनवाई के बाद कुल 3,36,79,665 रुपये की संपत्ति फ्रीज करने के आदेशों की पुष्टि कर दी। फ्रीज की गई संपत्तियों में चार वाहन शामिल हैं। इनमें टोयोटा हाइलक्स पिकअप, हुंडई क्रेटा, महिंद्रा बोलेरो कैंपर एवं महिंद्रा स्कॉर्पियो शामिल हैं। इनके अतिरिक्त सउओ की ढाणी, भोजासर में आवासीय एवं निर्माणाधीन मकान, बालोतरा के मां विरात्रा विहार-6 में आवासीय भूखंड एवं उस पर निर्मित तीन मंजिला भवन, जैसलमेर जिले के रामगढ़ में दो मुरब्बा कृषि भूमि, मेसनरी स्टोन खनन पट्टा तथा शराब की दुकान फ्रीज की गई है। इन संपत्तियों का कुल मूल्य 3 करोड़ 36 लाख 79 हजार 665 रुपये आंका गया है।

इनमें कौशलाराम के साथ उसकी पत्नी, भाई एवं भाई की पत्नी के नाम पर अर्जित संपत्तियां भी शामिल हैं। संपत्ति फ्रीज होने के बाद अब इनका विक्रय, हस्तांतरण अथवा किसी भी प्रकार का अन्य लेन-देन नहीं किया जा सकेगा। एनडीपीएस एक्ट की धारा 68-एम के अनुसार ऐसा कोई भी हस्तांतरण शून्य होगा।

इस संबंध में परिवहन, राजस्व, पंजीयन, नगर परिषद, आबकारी, खनिज विभाग एवं संबंधित बैंकों को सूचित करने की कार्रवाई की जा रही है। मंगलवार 10 नवम्बर को पुलिस एवं प्रशासन की संयुक्त टीम ने कौशलाराम के सउओ की ढाणी, भोजासर स्थित आवासीय एवं निर्माणाधीन दोनों मकानों पर संपत्ति फ्रीज होने संबंधी सूचना बोर्ड भी लगाए।

नशा तस्करों की आर्थिक कमर तोड़ने की कार्रवाई

बाड़मेर पुलिस की इस कार्रवाई का उद्देश्य मादक पदार्थ तस्करी से अर्जित अवैध कमाई को जब्त करने के साथ तस्करों को उसके आर्थिक लाभ से वंचित करना है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि नशा तस्करों एवं उनकी अवैध संपत्तियों के विरुद्ध ऐसी कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। आमजन से अपील: पुलिस ने आमजन से अपील की है कि यदि किसी व्यक्ति को कौशलाराम द्वारा अर्जित किसी अन्य संपत्ति के संबंध में जानकारी हो तो पुलिस थाना बायतु के थानाधिकारी के मोबाइल नंबर 8949505551 पर सूचना दें। सूचना देने वाले व्यक्ति का नाम गोपनीय रखा जाएगा।

अचानक कुछ सेकंड के लिए धुंधली हो जाए नजर

तो हो सकते हैं ये संकेत

- कई बार अचानक से आपको धुंधला दिखाई देने लगता है।
- आंखों से अचानक धुंधला दिखने लगना डायबिटीज का लक्षण हो सकता है।
- स्ट्रोक के लक्षण इतने अजीब होते हैं कि कई बार मरीज को समझ भी नहीं आता।



कई बार ऐसा होता है कि अचानक कुछ सेकंड के लिए आपको धुंधला दिखाई देने लगता है या चीजें घूमती हुई महसूस होती हैं। ऐसे में आप पलकों को थोड़ा झपकाते हैं या आंखों पर पानी के छींटे मार लेते हैं, तो ठीक दिखाई देने लगता है। इस समस्या को लोग थकान, ज्यादा रोशनी या आंखों की कोई सामान्य समस्या का परिणाम समझकर नजरअंदाज कर देते हैं। मगर कई बार इसका कारण असामान्य हो सकता है यानि ये किसी रोग के शुरुआती लक्षण हो सकते हैं। मगर कई बार ये किसी गंभीर बीमारी का शुरुआती संकेत भी हो सकता है। आंखें हमारे शरीर का सबसे नाजुक और महत्वपूर्ण अंग हैं। इसलिए आंखों का खयाल रखना बहुत जरूरी है। आंखों के संबंध में थोड़ी सी लापरवाही भी की बार गंभीर परिणाम ला सकती है। अगर आपकी आंखों से अचानक धुंधला दिखने लगा है तो इसके कई कारण हो सकते हैं।

डायबिटीज

आंखों से अचानक धुंधला दिखने लगना डायबिटीज का लक्षण हो सकता है। डायबिटीज आंखों के रेटिना की महीन रक्त वाहिकाओं को प्रभावित करता है जिससे डायबिटिक रेटिनोपैथी नामक आंखों की बीमारी हो जाती है। डायबिटीज के कारण ही रेटिना के हिस्से में सूजन भी आ सकती है जिसे मैक्युला कहा जाता है। मैक्युला में आंखों की रेटिना के अंदर रक्त वाहिकाएं अनावश्यक रूप से बढ़ने लगती हैं या नई रक्त वाहिकाओं का निर्माण शुरू हो जाता है। इसके कारण आंखों की रेटिना में सूजन आ जाता है और कई बार आंखों से खून निकलने लगता है।

स्ट्रोक

स्ट्रोक के कारण भी आंखों से अचानक धुंधला दिखाई देना शुरू हो जाता है। जानलेवा स्ट्रोक के लक्षण इतने अजीब होते हैं कि कई बार मरीज को समझ भी नहीं आता। स्ट्रोक की स्थिति में कई बार बिना दर्द के ही शरीर में अजीब लक्षण दिखाई देने लगते हैं। इन लक्षणों में आंखों के देखने की क्षमता का प्रभावित होना भी शामिल है। इसके अलावा स्ट्रोक की स्थिति में कंपकंपाहट, चेहरे पर तेज पसीना आना, चलते हुए या खड़े-खड़े लडखड़ाने लगना, बोलते-बोलते आवाज में परिवर्तन और फिर बोलने में परेशानी होने लगना आदि स्ट्रोक के सामान्य लक्षण हैं।

प्रीक्लैम्प्सिया

अगर आप गर्भवती हैं और आपको अचानक धुंधला दिखाई देने लगा है या आंखों के आगे अंधेरा छा गया है, तो इन लक्षणों को हल्के में लेकर नजरअंदाज न करें। ये खतरनाक बीमारी प्रीक्लैम्प्सिया का लक्षण हो सकता है। रक्तचाप के बहुत ज्यादा बढ़ जाने या यूरिन में प्रोटीन की मात्रा बढ़ जाने के कारण ये बीमारी हो सकती है। प्रीक्लैम्प्सिया आमतौर पर उन महिलाओं को होता है जिन्हें पहले से बल्ड प्रेशर की कोई समस्या नहीं होती है लेकिन गर्भावस्था के समय अचानक उनका ब्लड प्रेशर बहुत ज्यादा बढ़ जाता है। आमतौर पर ये बीमारी गर्भावस्था के 20 महीने बाद होती है। प्रीक्लैम्प्सिया के कारण मां और बच्चे दोनों की जान को खतरा होता है।

आंखों की थकान

कई बार जब हम पर्याप्त नींद नहीं लेते हैं तब भी हमारे आंखों के देखने की क्षमता प्रभावित होती है। अगर आपकी आंखें थकी हुई हैं तो इसकी वजह से आपको कई बार धुंधला दिखाई देने लगता है। ऐसी स्थिति में आंखों को थोड़ी देर बंद करके ठंडे हाथों या बर्फ से सिंकाई करने से थकान कम होती है और आंखों की रौशनी ठीक हो जाती है।

माइग्रेन

माइग्रेन यानि सिर दर्द भी आपकी दृष्टि को धुंधला बना सकता है। माइग्रेन को कुछ लोग सामान्य सिर दर्द समझ लेते हैं जबकि माइग्रेन सामान्य सिर दर्द से कई गुना ज्यादा खतरनाक बीमारी है। माइग्रेन के कारण कई बार आंखों की प्रकाश के प्रति संवेदनशीलता खत्म हो जाती है जिससे आंखों के आगे अंधेरा छा जाता है या धुंधला दिखाई देने लगता है।

क्या आप भी सफेद बालों से हैं परेशान?

...तो अपनाएं ये 5 आहार



- बालों के सफेद होने के कारण।
- सफेद बालों का तुरंत रोकते हैं ये उपाय।
- जानें सफेद बालों से छुटकारा पाने का उपाय।



आजकल लोगों में सफेद बालों की समस्या ट्रेंड में है। भागदौड़ भरी जिंदगी और बिगड़े लाइफस्टाइल के चलते उम्र से पहले बालों का सफेद होना और बालों का टूटना एक आम समस्या बन गई है। वर्तमान समय में करीब 70 फीसदी लोग उम्र से पहले सफेद बालों की समस्या से परेशान है। धड़ल्ले से अपने पैर पसार रही इस समस्या के लिए केवल प्रदूषण ही जिम्मेदार नहीं है, बल्कि इसके पीछे लोगों का आहार भी एक बहुत बड़ा कारण है।



हरी पत्तेदार सब्जियां

भागदौड़ भरी जिंदगी और हर चीज में मिलावट के चलते आलकल एक संतुलित और भरपूर डाइट ले पाना एक चुनौती हो गया है। कई लोग ऑफिस की भागमभाग के चलते नाशता करते ही नहीं है और दोपहर में बाहर का खाना खाते हैं। ये चीजें सफेद बालों के साथ-साथ हमें और भी कई तरह से नुकसान पहुंचाती हैं। सफेद बालों से बचने का सबसे अच्छा और सरल मार्ग हरी सब्जियों का सेवन है। हरी सब्जियों में विटामिन बी-6, विटामिन बी-12 और अन्य पोषक तत्व पाए जाते हैं। जो लाल रक्त कोशिकाओं का निर्माण करते हैं और बालों को सफेद होने से रोकते हैं।

मछली का सेवन

मछली ओमेगा-3 फैटी एसिड का सबसे अच्छा स्त्रोत है। मछली अपने आप में ही एक संपूर्ण डाइट के समान है। जो लोग मछली का सेवन करते हैं उन्हें आसानी से कोई बीमारी नहीं छूती है। बालों को सफेद होने से बचाने के लिए समुद्री मछलियों को सेवन करना चाहिए। समुद्री मछली जैसे- सालमन में सेलेनियम होता है। यह गुण बालों को सफेद करने वाले हार्मोन को रोकता है। जिन लोगों को सफेद बालों की समस्या है उन्हें सप्ताह में 1 बार मछली का सेवन जरूर करना चाहिए।

अखरोट और बादाम

सफेद बालों की समस्या से घिरे लोगों के लिए अखरोट और बादाम का सेवन किसी वरदान से कम नहीं है। रोजाना सुबह भीगे हुए 4 बादामों का सेवन करने से सफेद बालों की समस्या पर अंकुश लगता है। बादाम के तेल से मालिश करने से भी काफी आराम मिलता है। बादाम में भरपूर मात्रा में कॉपर और विटामिन-ई पाया जाता है। जो बालों को पोषण देता है।

रामबाण उपाय है आंवला

आंवला ना सिर्फ आंखों के लिए बल्कि बालों के लिए भी रामबाण उपाय है। जिन लोगों को सफेद बाल, बालों का टूटना और रफ होना जैसी समस्याएं होती हैं उनके लिए आंवले का सेवन बहुत फायदेमंद है। आंवला बालों के लिए एक तरह से टॉनिक का काम करता है। रोजाना सुबह एक आंवला आपके बालों और पूरे शरीर की सेहत को ठीक रखता है।



इन 5 तरह के लोगों का खून ज्यादा पीते हैं मच्छर

जानें क्यों



जीका, डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियां मच्छर या इस प्रजाति के जीवों के काटने या संक्रमण से फैलती हैं। और इन जीवों का बसेरा आपके आस-पास फैली गंदगी और गंदे पानी में होता है। मच्छर जब मनुष्यों के संपर्क में आते हैं या काटते हैं तो कई तरह की जानलेवा बीमारियां हो सकती हैं। आमतौर पर तो मच्छर हर किसी को काटते हैं, मगर एक रिसर्च में ये बात सामने आई है कि 20 प्रतिशत लोग ऐसे होते हैं जो मच्छरों को ज्यादा आकर्षित करते हैं, यानी ऐसे लोगों को पहले अपना निशाना बनाते हैं।

डार्क कलर के कपड़े देखकर काटते हैं मच्छर

आमतौर पर मच्छर किसी को देख कर या फिर उसकी गंध से अपना शिकार बनाते हैं। वैज्ञानिकों की मानें तो मच्छर अधिक दृश्यमान हैं, खासकर दोपहर बाद अपनी तेज नजरों से मनुष्यों को खोजकर काटते हैं। जब आप डार्क कलर के कपड़े पहनते हैं खासकर नेवी ब्लू, ब्लैक और लाल रंग तो ऐसे लोगों को मच्छर असानी से खोज लेते हैं।

○ ब्लड ग्रुप वाले लोगों को निशाना बनाते हैं मच्छर

खून मच्छरों के लिए सब कुछ होता है। सीधे तौर पर आप कह सकते हैं कि मच्छर के लिए खून अमृत है। वयस्क मच्छरों के लिए तो यह प्रोटीन का काम करते हैं मगर फीमेल मच्छर अंडे देने के लिए मनुष्य के खून में मौजूद प्रोटीन का पोषण प्राप्त करते हैं। तो इसमें आश्यर्च की बात नहीं है कि कुछ ब्लड टाइप मच्छरों को ज्यादा जरूरत होती है, जिन्हें वह अपना निशाना बनाते हैं। O ब्लड ग्रुप वाले लोग A ब्लड ग्रुप वाले लोगों की तुलना में मच्छरों को ज्यादा आकर्षित करते हैं जबकि B ब्लड ग्रुप के लोगों को सामान्य रूप से काटते हैं।

कार्बन डाई ऑक्साइड गैस करती है आकर्षित

मच्छरों के पास इतनी समझ होती कि वह 166 फीट की दूर पर भी कॉर्बन डाई ऑक्साइड गैस को पहचान लेते हैं। इस गैस के प्रति मच्छर ज्यादा आकर्षित होते हैं। हम और आप अपनी श्वसन प्रणाली द्वारा ऑक्सीजन लेते हैं और कार्बन डाई ऑक्साइड छोड़ते हैं। यही कारण है कि मच्छर हमारे नाक के आसपास यानी सिर और कान के बाहर मंडराते रहते हैं। इसकी वजह ये गैस ही है।

गर्मी और पसीना भी है वजह

कार्बन डाई ऑक्साइड के अलावा भी कुछ ऐसे घटक हैं जिनके कारण मच्छर हमारी ओर आकर्षित होते हैं। गर्मी के दिनों में शरीर से निकलने वाले पसीने से उत्सर्जित लैक्टिक एसिड, यूरिक एसिड और अमोनिया मच्छरों को ज्यादा आकर्षित करते हैं। जिन लोगों को ज्यादा पसीना होता है, जैसे मेहनत करने वाले, जिम करने वाले या फिर गर्मी वाली जगहों पर रहने वाले लोगों को मच्छर ज्यादा काटते हैं।

प्रेग्नेंसी के दौरान

एक रिसर्च में ये बात सामने आई है कि गर्भवती महिलाएं एक सामान्य महिला की तुलना में ज्यादा कार्बन डाई ऑक्साइड गैस रिलीज करती हैं जिसकी वजह से प्रेगनेंट महिला की तरह मच्छर ज्यादा आकर्षित होते हैं। इसके अलावा गर्भवती महिलाओं का पेट आम दिनों की अपेक्षा अधिक गर्म होते हैं जो मच्छरों को आकर्षित करते हैं। यह भी मच्छरों के ज्यादा काटने की एक वजह है।

आंखों के संक्रमण का अचूक इलाज है

ये 11 सस्ते उपाय

- आंखों को हल्के गुनगुने पानी या फिर दूध से दिन में कई बार धोना चाहिए।
- आंखों को सूजन से बचाने के लिए आंखों पर हलका गर्म सेंक करना चाहिए।



पीड़ादायक आंखों को conjunctivitis के नाम से भी जाना जाता है। आंखों का यह संक्रमण बहुत आम है और यह किसी भी उम्र के व्यक्ति को हो सकता है। आंख के इस रोग में हालत बहुत ही खराब हो जाती है यहां तक की आईबॉल भी बहुत अधिक प्रभावित होती है। जब कोई व्यक्ति सोर आईस (Sore Eyes) से पीड़ित होता है तो आंखे लाल हो जाती हैं। कई बार सोर आईस के लक्षणों में आंखें में लाली भी नजर आती है। इसके अलावा आंखों में खुजली होने लगती है। आंखों में रूखापन और सूजन भी आ जाती है। आंखों में बहुत अधिक दर्द होने लगता है और रोगी बहुत ही असहज हो जाता है। हालांकि आंखों के इस रोग का एलोपैथी इलाज भी मौजूद है जिसमें आंखों के दर्द और सूजन को कम किया जा सकता है। जिससे जल्द से जल्द संक्रमण से छूटकारा पा लें। लेकिन क्या आप जानते हैं सूजी हुई आंखों के लिए प्राकृतिक उपचार भी मौजूद हैं। आइए जानें कुछ घरेलू उपचारों को जिनसे आंखों की सूजन को कम किया जा सके।

आंखों की सूजन कम करने के लिए उपचार

आंखों को सूजन से बचाने के लिए आंखों पर हलका गर्म सेंक करना चाहिए।

आंखों पर ठंडे खीरे या ककड़ी के छोटे-छोटे टुकड़े रखने से बहुत आराम मिलता है।

घरेलू उपचारों में एक बहुत ही उत्तम उपाय है कि आप आंखों में गुलाब जल डालें इससे आंखों को बहुत आराम मिलेगा।

आंखों को हल्के गुनगुने पानी या फिर दूध से दिन में कई बार धोना चाहिए।

आंखों से सूजन को दूर करने के लिए कच्चे आलू के रस मे तेल मिलाकर आंखों पर लगाना चाहिए।

एलोवेरा जेल जो कि आंखों के लिए बहुत फायदेमंद है। इसके लिए आपको एक सूखे स्वच्छ कपड़े को एलोवेरा जूस में डूबाना चाहिए और उसके बाद उससे आंखे पोछ लें।

एक चम्मच शहद में आंवले का रस मिलाकर दिन में दो बार पीने से आंखों की सूजन को प्रभावी रूप से कम किया जा सकता है। इससे आंखों को अन्य संक्रमण से भी बचाया जा सकता है।

धनिये के माध्यम से भी आंखों की सूजन को कम किया जा सकता है। धनिए का काढ़ा बनाकर उससे आंखों की जलन को कम किया जा सकता है।

गाजर, पालक जैसी सब्जियों के रस का दिन में दो बार सेवन करें।

आंखों की सूजन कम करने के लिए विटामिन ए और ओमेगा 3 फैटी एसिड का सेवन करना चाहिए। इसके साथ ही हेल्दी फूड लेना चाहिए। इससे आंखों की सूजन कम करने में मदद मिलेगी।

इसके अलावा आंखों की साफ-सफाई का भी ध्यान रखना चाहिए और आंखों को बार-बार मलना नहीं चाहिए। साथ ही दिन में चार-पांच बार आंखों को ठंडे पानी से धोना चाहिए।

लहसुन के 5 बड़े फायदे और 5 नुकसान

लहसुन हर रसोई घरों का एक प्रमुख खाद्य है, जो कि विभिन्न व्यंजनों में स्वाद जोड़ता है। इसे अपने कई स्वास्थ्य लाभों के लिए भी माना जाता है जैसे कि किसी के रक्तचाप को कम करना, कोलेस्ट्रॉल के स्तर को विनियमित करना, कार्डियोवैस्कुलर स्वास्थ्य में सुधार करना, और कुछ प्रकार के कैंसर को रोकना। क्यों कि लहसनु न सिर्फ भोजन स्वाद बढ़ाता है बल्कि यह औषधि के तौर पर भी प्रयोग किया जाता है। इस जड़ी-बूटी के बारे में कहने के लिए बहुत अच्छी चीजें हैं लेकिन इसके साथ-साथ कई साइडइफेक्ट्स भी है। आज हम आपको इस लेख में बताएंगे लहसुन क्यों खाएं और क्यों न खाएं।



लहसुन खाने के 5 बड़े फायदे

1 **इम्यून सिस्टम को करता है बूस्ट:**-लहसुन में प्रोटीन होते हैं जो विभिन्न बीमारियों से निपटने वाले एंटीबॉडी बनाने में मदद करते हैं। यह सर्दी, खांसी, और यहां तक कि अधिक गंभीर लोगों जैसी बीमारियों के होने का जोखिम भी कम कर देता है। इसके अलावा जिन लोगों का खून गाढ़ा होता है लहसुन उनके लिए भी बहुत फायदेमंद होता है। यह शरीर में रक्त प्रवाह सुचारू बनाए रखता है। खून का पतला करता है जिससे आप कई संभावित रोगों से बचे रहते हैं।

2 **हृदय रोगों से बचाव:**-लहसुन आपके शरीर में बैड कोलेस्ट्रोल का स्तर कम करता है। इससे आपका दिल हमेशा सेहतमंद रहता है। लहसुन शरीर में गुड कोलेस्ट्रोल के स्तर को बढ़ाने का भी काम करता है। उच्च रक्तचाप को दूर करने में भी लहसुन काफी फायदेमंद होता है। हाई बीपी के मरीज अगर नित लहसुन का सेवन करें तो इससे उनका बीपी नॉर्मल रखने में मदद मिलती है। इसमें मौजूद एलिसिन नामक तत्व हाई बीपी को सामान्य करने में मददगार है।

3 **कैंसर को करता है खत्म:**- लहसुन का एक गुण यह भी है कि यह आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता में इजाफा करता है। कई जानकार तो यह भी मानते हैं कि यह कैंसर जैसे गंभीर रोग से लड़ने में भी कारगर हथियार है। डॉक्टर पैनिक्रयाज पैनिक्रयाज, कोलोक्टोरल, ब्रेस्ट और प्रोस्टेट कैंसर में लहसुन के कच्चे जवे खाने की सलाह देते हैं।

4 **दांत दर्द से दिलाए छुटकारा:**-लहसुन दांतों के दर्द से भी राहत दिलाने का काम करता है। लहसुन को लौंग के साथ पीसकर दांतों के दर्द वाले हिस्से पर लगाने से दर्द से तुरंत राहत मिलती है।

5 **प्रेग्नेंसी में है फायदेमंद:**-प्रेग्नेंसी के दौरान लहसुन का नियमित सेवन मां और शिशु, दोनों के स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद है। यह गर्भ के भीतर शिशु के वजन को बढ़ाने में सहायक है। गर्भवती महिलाओं को लहसुन का सेवन नियमित तौर पर करना चाहिए। गर्भवती महिला को अगर उच्च रक्तचाप की शिकायत हो तो, उसे पूरी गर्भावस्था के दौरान किसी न किसी रूप में लहसुन का सेवन करना चाहिए। यह रक्तचाप को नियंत्रित रख कर शिशु को नुकसान से बचाता है।



वास्तु के हिसाब से सजाए अपना लिविंग रूम, घर में बनी रहेगी सुख-समृद्धि

परिवार के सभी लोग अपने-अपने काम निपटाकर लिविंग रूम में इकट्ठा होकर एक-दूसरे से बातें करते है और सभी अपने विचार आगे रखते है। ऐसे में लिविंग रूम का वातावरण पॉजिटिव होना चाहिए। वहीं कुछ लोग वास्तु के हिसाब से अपने लिविंग रूम को डैकोरेट करते है। अगर आप भी वास्तु टिप्स में विश्वास रखते है तो आऐज हम आपको लिविंग को सजान के कुछ वास्तु टिप्स बताएंगे, जिनको आप भी ट्राई कर सकते है।

इन पेंटिंग्स को लिविंग रूम से रखें दूर

लिविंग रुम में गहरे और चमकीले रंगों की तस्वीरें न लगाएं। जिन तस्वीरों में लाल रंग प्रयोग होता है उनसे चिड़चिड़ेपन की भावना पैदा होती है। जंगली और शातिर जानवरों की पेंटिंग खराब स्वास्थ्य का कारण बनती है।

लिविंट रूम में ऐसी पेंटिंग्स रखें

तैरती हुई मछली की पेंटिग्स लगाने से उम्र बढ़ती है। सूर्योदय, पर्वत या पानी की तस्वीरें लगाएं। पानी के झरने की तस्वीर लगाने से भाग्य बना रहता है।

लिविंग रूम में लगाए ये पौधे

लिविंग रूम में सकारात्मक ऊर्जा बनाए रखने के लिए कैक्टस और तेज सुगंधित पत्तियों वाले पौधों को घर में न लगाएं। घर में प्लास्टिक या कृत्रिम पौधे लगाएं।

लिविंग रूम में कारपेट्स

अगर लिविंग रूम घर के दक्षिण-पूर्वी भाग में है तो इसमें लगाए जाने वाले कारपेट्स का रंग हरा होना चाहिए।

घर जैसी फीलिंग देती है यह लग्जरी बस, बेडरूम से लेकर कार पार्किंग की है सुविधा

बदलते समय के साथ-साथ लोग नए-नए इन्वेंशन से दुनिया को हैरान करते रहते है। आज हम आपको एक ऐसे ही इन्वेंशन के बारे में बताने जा रहें है जिसे देखकर आप भी हैरान हो जाएंगे। लग्जरी मोटरहोम बनाने वाली कंपनी ने एक ऐसी बस बनाई है जिसमें रहने से लेकर कार पार्क करने तक की पूरी सुविधा है।

वीकेंड के लिए शहर से दूर जाने वाले लोगों के लिए यह बस किसी जन्नत से कम नहीं है। इस बस में आप अपने घर जैसी फिलिंग ले सकते है। 10 करोड़ से भी अधिक कीमत वाली इस बस में सोने के लिए पर्याप्त जगहें से लेकर किचन, बाथरूम और कार पार्किंग के लिए भी पूरी जगहें है।

इसके अलावा इस बस और घर में हर चीज आधुनिक सुविधाओं के हिसाब से है। 40 फीट लंबी इस बस में आप फेरारी, पोर्श, बीएमडब्ल्यू और मर्सिडीज जैसी कार पार्क कर सकते है। कार पार्क करने के लिए इस बस में इलेक्ट्रोहाइड्रोलिक लिफ्ट लगाई गई है, जो कार को नीचे की ओर पार्क करती है। इस बस और घर में लग्जरी किचन और बाथरूम होने के साथ-साथ इसमें टी.वी और बाकी चीजों की भी व्यवस्था है। इसके अलावा इस बस में आपातकालीन स्थिति के लिए भी हर चीज मौजूद है। इस बस और घर में लॉक सिस्टम भी बेहद खास तरीके से बनाया गया है।

पर्ल यानी सफेद या अन्य रंग के छोटे-छोटे मोती, जिनका इस्तेमाल अक्सर ज्वैलरी या इम्ब्रायडरी वर्क में किया जाता है। परन्तु आजकल इनको डैकोरेशन का हिस्सा भी बनाया जा रहा है। मैरिज में पर्ल थीम, सेंटर पीस आदि के लिए पर्ल्स का काफी इस्तेमाल किया जा रहा है। पर्ल्स कई रंगों के होते है, जिनको आप अलग -अलग तरीको से इस्तेमाल करके घर की डैकोरेशन कर सकते है या कई डैकोर पीस बना सकते है।

मैरिज या घरों को सजाने के लिए रोमांटिक फ्लोटिंग कैंडल का इस्तेमाल किया जाता है। अगर आप इनको और भी अट्रैक्टिव लुक देना चाहते है फ्लोटिंग जार में पर्ल्स का इस्मोल करें।

शादियों में सेंटर पीस के तौर पर भी आप पर्ल्स का इस्तेमाल कर सकते है। आप किसी भी सेंटर पीस को अट्रैक्टिव लुक देने के लिए ग्लू की मदद से पर्ल्स को इसपर सजा सकते है।

शादियों में अक्सर मैसन जार कैंडल थीम रखी जाती है। इनकी डैकोरेशन के लिए आप पर्ल्स का इस्तेमाल कर सकते है। आप इन पर्ल्स की मदद से अपना मेकअप बॉक्स भी सजा सकते है। इससे मेकअप बॉक्स को काफी खूबसूरत लुक मिलेगा।

गोवर्धन पूजा पर्वः मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मुकुट मुखारविन्द मंदिर में किया अभिषेक, श्रीनाथजी मंदिर में भी की पूजा-अर्चना

प्रदेश और प्रदेशावासियों के सुख-समृद्धि, खुशहाली एवं जनकल्याण की कामना की

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को गोवर्धन पूजा के पावन अवसर पर डीग जिले के पूंछरी का लौठा स्थित मुकुट मुखारविन्द मंदिर में दर्शन किए। उन्होंने मंत्रोच्चार के बीच सपत्नीक विधिवत पूजा-अर्चना और अभिषेक कर प्रदेश एवं प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, शांति, खुशहाली और जनकल्याण की कामना की। इसके पश्चात मुख्यमंत्री पैदल ही श्रीनाथजी मंदिर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने श्रद्धालुओं से दिवाली की रामा-श्यामा की और दीपोत्सव की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने श्रीनाथजी मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना कर अन्नकूट प्रसादी ग्रहण की। इस अवसर पर गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम, विधायक बहादुर सिंह कोली, शैलेश सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।



भाजपा संगठन महामंत्री, मुख्यमंत्री सहित भाजपा पदाधिकारीगणो ने भाजपा प्रदेश कार्यालय में किया दिवाली पूजन

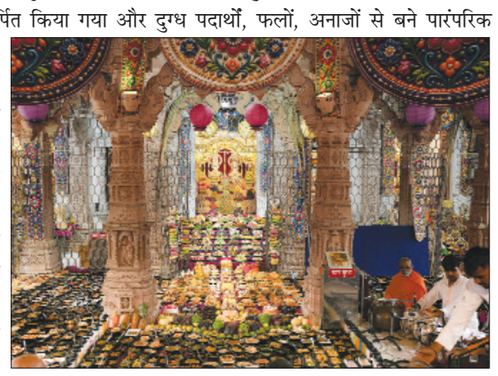
भगवान श्रीराम का जीवन हमें सभी को साथ लेकर चलने, सामाजिक समरसता और आदर्श शासन व्यवस्था की देता है प्रेरणाः शर्मा

जयपुर (कासं)। दीपावली के पावन के अवसर पर भाजपा प्रदेश कार्यालय में संगठन महामंत्री अजेय कुमार, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बेरवा, दिया कुमारी, महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी, भूपेंद्र सैनी, जयपुर शहर सांसद मंजू शर्मा, प्रदेश कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक, जयपुर महापौर सुनील कोठारी सहित भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने दिवाली पूजन किया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दीपावली के पावन पर्व पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि दीपावली हमारी सनातन संस्कृति का प्रमुख एवं पवित्र त्योहार है। यह पर्व बुराई पर अच्छाई और अंधकार पर प्रकाश की विजय का संदेश देता है। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने कहा कि भगवान श्रीराम ने त्रेतायुग में 14 वर्षों के वनवास के दौरान अनेक कठिनाइयों का सामना किया और अत्याचारियों का अंत कर धर्म एवं न्याय की स्थापना की। रावण पर विजय प्राप्त करने के बाद भगवान श्रीराम के अयोध्या लौटने पर पूरे नगर में दीप जलाकर उनका स्वागत किया गया। तभी से दीपावली का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। भगवान श्रीराम का जीवन हमें सभी को साथ लेकर चलने, सामाजिक समरसता और आदर्श शासन व्यवस्था की प्रेरणा देता है। रामराज्य की कल्पना आज भी प्रत्येक व्यक्ति के मन में एक आदर्श शासन व्यवस्था के रूप में विद्यमान है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मूल मंत्र के साथ देश को आगे बढ़ा रही है। इसी भावना के अनुरूप राज्य सरकार भी प्रदेश के प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में खुशहाली, शांति और समृद्धि लाने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।



अक्षरधाम में 1100 व्यंजनों का अन्नकूट, हजारों श्रद्धालुओं ने किए दर्शन

जयपुर (कासं)। वैशाली नगर स्थित श्री स्वामिनारायण अक्षरधाम मंदिर जयपुर में 10 नवंबर 2026, मंगलवार के दिन प्राचीन वैष्णव परंपरा के अनुसार गोवर्धन पूजा एवं अन्नकूट महोत्सव धूम-धाम से मनाया गया। इस अवसर पर ठाकुरजी का विशेष शृंगार किया गया। इस दौरान ठाकुरजी को 1100 से अधिक प्रकार के सात्विक व्यंजनों का अन्नकूट अर्पित किया गया और दुग्ध पदार्थों, फलों, अनाजों से बने पारंपरिक भारतीय व्यंजनों में राजस्थानी, गुजराती, दक्षिण भारतीय, उत्तर भारतीय एवं अन्य क्षेत्रीय व्यंजनों के साथ-साथ देश-विदेश के व्यंजनों की आकर्षक झाँकी सजाई गई। इस अवसर पर संतों एवं भक्तों ने शास्त्रोक्त विधि से गोवर्धन पूजा कर अन्नकूट की मुख्य आरती की, तथा जन सामान्य की सुख-समृद्धि, एवं विश्वशांति के लिए प्रार्थना की। मंदिर के कोठारी संत पूज्य जयतीर्थ स्वामी जी ने इस पावन पर्व की महिमा समझाते हुए बताया कि 5000 साल पूर्व भगवान श्रीकृष्ण ने गोवर्धन पूजन किया और अन्नकूट उत्सव कि परंपरा प्रारम्भ की, और आज बी.ए.पी.एस. के देश-विदेश में स्थित, सभी मंदिरों में यह अन्नकूट का महोत्सव धूमधाम से मनाया जाता है, इसका मर्म यही है कि भगवान सर्व कर्ता-हर्ता है, अगर हम भगवान कि शरण में रहेंगे, तो भगवान हमारी रक्षा हमेशा करेंगे, जैसे श्रीकृष्ण भगवान ने गोवर्धन उठाकर भक्तों कि रक्षा की थी। अन्नकूट के इस विशिष्ट अवसर पर कई गणमान्य व्यक्तियों ने गोवर्धन पूजा और गौ माता का पूजन कीया तथा अन्नकूट की विशिष्ट झाँकी के दर्शन का लाभ लिया।



मुख्य सचिव ने ली रेरा कार्यों की समीक्षा बैठक

रियल एस्टेट परियोजनाओं को समय पर पूर्ण कर उपभोक्ताओं को उपलब्ध कराएं- मुख्य सचिव

जयपुर (कासं)। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में मंगलवार को राजस्थान रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी (रेरा) के कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में रियल एस्टेट परियोजनाओं के पंजीकरण, निर्माण कार्यों की प्रगति, उपभोक्ताओं की शिकायतों के निस्तारण तथा प्राधिकरण के विभिन्न कार्यों की समीक्षा की गई। मुख्य सचिव ने नगरीय विकास एवं आवासन विभाग तथा स्थानीय स्वशासन विभाग के अधिकारियों को आपसी समन्वय से कार्य करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि विभिन्न परियोजनाओं के लेआउट प्लान की मंजूरी की प्रक्रिया में अनावश्यक विलंब नहीं हो तथा स्वीकृत लेआउट प्लान शीघ्र रेरा को भिजवाए जाएं, जिससे परियोजनाओं के पंजीकरण एवं अन्य प्रक्रियाओं में तेजी लाई जा सके। मुख्य सचिव ने क्रेडाई (कॉन्फेडरेशन ऑफ रियल एस्टेट डवलपर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया), टोडर (टाउनशीप डवलपमेंट एसोसिएशन ऑफ राजस्थान) एवं राजस्थान अफोर्डेबल हाऊसिंग डवलपर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं सदस्यों को निर्देश दिए कि वे रेरा के नियमों एवं प्रावधानों की पालना सुनिश्चित करते हुए परियोजनाओं को निर्धारित समयावधि में पूर्ण करें तथा समय पर उपभोक्ताओं को सुविधा उपलब्ध करवाएं।



उन्होंने कहा कि उपभोक्ता हितों का संरक्षण रेरा की प्राथमिक जिम्मेदारी है। इसके लिए बिल्डर्स एवं डवलपर्स को भी अपनी जिम्मेदारी समझते हुए शिकायतों के निस्तारण में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। मुख्य सचिव ने रेरा प्राधिकरण एवं निर्णायक अधिकारी के समक्ष लंबित प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने तथा लंबित रिकवरी प्रमाण-पत्रों की वसूली के लिए जिला कलेक्टरों के साथ समन्वय स्थापित कर प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। बैठक में रियल एस्टेट क्षेत्र में नियामकीय प्रावधानों के प्रति जागरूकता बढ़ाने, परियोजनाओं के पंजीकरण, नियमों का उल्लंघन करने वाली परियोजनाओं के विरुद्ध कार्रवाई तथा राजस्थान संपर्क पोर्टल एवं CPGRAMS पर प्राप्त शिकायतों की स्थिति की भी समीक्षा की गई।

समदड़ी-भीलड़ी रेलखंड पर 220 किलोमीटर ट्रैक नवीनीकरण कार्य पूर्ण

जयपुर (कासं)। उत्तर पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल के समदड़ी - भीलड़ी रेलखंड पर रेल संरक्षा को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की गई है। इस रेलखंड पर 220 किलोमीटर का ट्रैक रिन्यूवल (टीआरआर) कार्य सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। यह कार्य मार्च 2025 में स्वीकृति मिलने के बाद मात्र 19 माह की अवधि में पूरा किया गया है। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी ने बताया कि जोधपुर मंडल का समदड़ी-भीलड़ी रेलखंड महत्वपूर्ण रेलमार्ग है, जो सीसी+8+2टी डबल स्टैक कंटेनर परिचालन मार्ग है। इस रेलखंड पर पूर्व में 52 केजी रेल लगी हुई थीं, जिन्हें भारी क्षमता वाले परिचालन के अनुरूप सुदृढ़ करने के लिए 60 केजी रेल से बदलने का कार्य स्वीकृत किया गया था। इसके तहत संपूर्ण ट्रैक का नवीनीकरण किया गया है।

इस परियोजना के अंतर्गत 8 गर्डर पुलों पर सभी ब्रिज चैनल स्लीपरों एवं रेलों का नवीनीकरण किया गया, जिनमें 2 महत्वपूर्ण पुल भी शामिल हैं। साथ ही पुलों के एप्रोच को मजबूत करने के लिए चौड़े बेस वाले स्लीपर लगाए गए। इसके अतिरिक्त 16 यार्डों में संपूर्ण टर्नआउट नवीनीकरण एवं थ्रू टर्नआउट स्लीपर नवीनीकरण का कार्य पूरा किया गया है। शेष 12 यार्डों में यह कार्य फरवरी 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य है। रेलपथ पर 4,000 कैजुअल स्लीपरों का नवीनीकरण भी किया गया है। इसी प्रकार 16 यार्डों में एसईजे का संपूर्ण नवीनीकरण किया गया है तथा शेष 12 यार्डों में यह कार्य फरवरी 2027 तक पूरा किया जाएगा। इसके अलावा 2 पुलों पर आरएसआई अध्ययन करवाकर एलडब्ल्यूआर का विस्तार किया गया, जिससे फ्री ज्वाइंट समाप्त करने में सफलता मिली है। रेलपथ नवीनीकरण के परिणामस्वरूप रेलखंड की गुणवत्ता एवं संरक्षा में उल्लेखनीय सुधार हुआ है तथा रेलखंड का टीक्यूआई (ट्रैक क्वालिटी इंडेक्स) बढ़कर 106.20 हो गया है, जो भारतीय रेल में सर्वोच्च स्तर है। इसके साथ ही इस रेलखंड पर 100 किलोमीटर में ट्रेनों की अधिकतम गति 100 किमी प्रति घंटा से बढ़ाकर 110 किमी प्रति घंटा कर दी गई है। शेष 120 किलोमीटर रेलखंड पर भी गति बढ़ाने का कार्य दिसंबर 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य है।



प्रदेशभर में 20 प्रतिष्ठानों पर सर्वे एवं जांच की कार्रवाई, करीब 2.35 करोड़ रुपये की स्वैच्छिक कर जमा एवं आईटीसी रिवर्सल

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार की कर चोरी के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस नीति के तहत कर विभाग द्वारा प्रदेशभर में कर अपवंचन करने वाले प्रतिष्ठानों के विरुद्ध व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में विभाग की विभिन्न टीमों ने अक्टूबर माह के आखिरी सप्ताह में प्रदेश के जयपुर, अजमेर, भीलवाड़ा, जोधपुर, पाली, ब्यावर, अलवर, किशनगढ़ एवं अन्य क्षेत्रों में 20 व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर सर्वे एवं जांच की कार्रवाई की। इन कार्रवाइयों के दौरान करदाताओं द्वारा करीब 2.35 करोड़ रुपये की स्वैच्छिक जमा एवं इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) रिवर्सल किया गया है।

कर विभाग द्वारा ऐसे व्यापारिक प्रतिष्ठानों को विशेष रूप से जांच के दायरे में लिया गया, जहां वास्तविक कारोबार की तुलना में कम कर भुगतान, इनपुट टैक्स क्रेडिट पर अत्यधिक निर्भरता, बिना बिल माल की खरीद-बिक्री, स्टॉक में अंतर, बिक्री छिपाने तथा अपात्र आईटीसी का लाभ लेने जैसी अनियमितताओं की सूचनाएं प्राप्त हुई थीं। जयपुर के झोटवाड़ा स्थित मेसर्स महावीर ग्लास एंड एल्युमिनियम वर्क्स में स्टॉक एवं आवक-जावक संबंधी अनियमितताओं की जांच के दौरान फर्म द्वारा 10 लाख रुपये एसजीएसटी एवं सीजीएसटी के रूप में जमा करवाए गए। भीलवाड़ा के मेसर्स राज सेल्स में रेडीमेड गारमेंट्स के कारोबार में बिना उचित बिलिंग के खरीद-बिक्री एवं आईटीसी संबंधी अनियमितताओं की जांच में 10.60 लाख रुपये जमा एवं रिवर्स करवाए गए।

दीपावली पर 17 शहरों में घटा वायु प्रदूषण, बांसवाड़ा में ध्वनि प्रदूषण भी घटा

जयपुर (कासं)। पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण नियंत्रण के प्रति प्रतिबद्धता के तहत राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल द्वारा दीपावली के अवसर पर प्रदेशभर में परिवेशी वायु गुणवत्ता एवं ध्वनि प्रदूषण की व्यापक निगरानी की गई। मंडल द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार दीपावली के दिन गत वर्ष की तुलना में प्रदेश के 34 शहरों में से 17 शहरों में वायु गुणवत्ता सूचकांक में कमी दर्ज की गई। वहीं, ध्वनि प्रदूषण के स्तर में भी प्रदेश के अनेक शहरों में सकारात्मक सुधार देखने को मिला।

राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल के सदस्य सचिव कपिल चंद्रवाल ने अधिक जानकारी देते हुए बताया कि, राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल द्वारा प्रदेश के 37 जिलों में 50 स्थानों पर स्थापित सतत परिवेशी वायु गुणवत्ता निगरानी केंद्रों के माध्यम से 24म7 वायु गुणवत्ता पर नजर रखी जा रही है। इसी के साथ दीपावली के दिन 8 नवंबर को दर्ज आंकड़ों के अनुसार दौसा में प्रदेश का न्यूनतम AQI 124 तथा खैरथल में अधिकतम 362 दर्ज किया गया। वहीं गत वर्ष की तुलना में इस वर्ष दीपावली पर 34 शहरों में से 17 शहरों में AQI का स्तर कम रहा। दौसा में सर्वाधिक 44.4 प्रतिशत तथा भीलवाड़ा में 43.5 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई।

मंडल द्वारा प्रदेश के 25 जिलों में 58 स्थानों पर दीपावली से सात दिन पूर्व तथा दीपावली के दिन ध्वनि प्रदूषण के स्तर की तुलनात्मक जांच की गई। प्राप्त आंकड़ों के अनुसार गत वर्ष की तुलना में इस वर्ष 12 शहरों में दिन के समय तथा 13 शहरों में रात के समय ध्वनि प्रदूषण में कमी दर्ज की गई। इसमें बांसवाड़ा ने उल्लेखनीय सुधार दर्ज करते हुए दिन के समय ध्वनि प्रदूषण में 25.4 प्रतिशत तथा रात के समय 38.6 प्रतिशत की कमी दर्ज की। यह ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण की दिशा में एक सकारात्मक संकेत है। आंकड़ों के अनुसार कुछ शहरों में ध्वनि प्रदूषण के स्तर में वृद्धि भी दर्ज की गई। दिन के समय झुंझुनूं में 16.6 प्रतिशत तथा रात के समय भिवाड़ी में 8. 2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई। वहीं, दिन के समय अधिकतम ध्वनि स्तर झुंझुनूं में 84.1 dB(A) तथा रात के समय अजमेर में 86.0 dB(A) रहा।

जयपुर में भी विभिन्न क्षेत्रों में ध्वनि स्तर में सुधार दर्ज- जयपुर शहर के आठ स्थानों पर किए गए तुलनात्मक अध्ययन में राजा पार्क क्षेत्र में दिन के समय ध्वनि प्रदूषण के स्तर में सर्वाधिक 14.3 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई। इसी प्रकार मानसरोवर क्षेत्र में रात के समय 3.7 प्रतिशत की कमी दर्ज हुई। जयपुर में दिन के समय ध्वनि प्रदूषण के स्तर में सीतापुरा एवं मानसरोवर में 9.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि रात के समय सीतापुरा में 8.7 प्रतिशत की वृद्धि रही। शहर में दिन के समय अधिकतम ध्वनि स्तर मानसरोवर में 86.6 dB(A) तथा रात के समय राजा पार्क में 91.4 dB(A) दर्ज किया गया।

NCR **के छह शहरों में पर्यावरणीय गुणवत्ता की विशेष निगरानी**- पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण की स्थिति का व्यापक आकलन सुनिश्चित करने के लिए माननीय सर्वोच्च न्यायालय एवं केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB) के निर्देशों की अनुपालना में राज्य के छह हॉटस्पॉट शहरों अलवर, भिवाड़ी, खैरथल, भरतपुर, डीग एवं कोटपूतली में 2 नवंबर से 30 नवंबर, 2026 तक विशेष जांच अभियान संचालित किया जा रहा है। इसके तहत परिवेशी वायु गुणवत्ता के साथ जल एवं मृदा के नमूनों का संग्रहण एवं परीक्षण किया जा रहा है।

राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल द्वारा आधुनिक निगरानी व्यवस्थाओं एवं नियमित पर्यावरणीय परीक्षणों के माध्यम से प्रदेश में पर्यावरण गुणवत्ता पर निरंतर नजर रखी जा रही है। मंडल का उद्देश्य प्रदूषण की स्थिति का वैज्ञानिक आकलन करते हुए प्रभावी नियंत्रण उपायों को प्रोत्साहित करना तथा स्वच्छ एवं स्वस्थ पर्यावरण के निर्माण में जनभागीदारी को बढ़ावा देना है।

न्यूज इनबॉक्स

मुख्यमंत्री शर्मा का आज जैसलमेर दौरा

तनोट माता मंदिर में करेंगे पूजा-अर्चना, बीएसएफ जवानों के भाईदूज कार्यक्रम में होंगे शामिल

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भ३जनलाल शर्मा बुधवार को जैसलमेर दौरे पर रहेंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री प्रसिद्ध तनोट माता मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना कर देश और प्रदेश की खुशहाली की कामना करेंगे। मुख्यमंत्री सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों के भाईदूज कार्यक्रम में भी शिरकत करेंगे।

त्योहारी सीजन में जयपुर-गया-जयपुर के मध्य अनारक्षित स्पेशल रेलसेवा का संचालन

जयपुर (कासं)। रेलवे द्वारा त्योहारी सीजन में यात्रियों की सुविधा एवं अतिरिक्त यात्री यातायात को देखते हुए जयपुर एवं गया के मध्य एक-एक ट्रिप अनारक्षित स्पेशल रेलसेवा का संचालन किया जा रहा है। इस स्पेशल रेलसेवा के संचालन से राजस्थान, उत्तर प्रदेश एवं बिहार के यात्रियों को आवागमन के लिए अतिरिक्त रेल सुविधा उपलब्ध होगी। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी अमित सुदर्शन के अनुसार गाड़ी संख्या 09725, जयपुर-गया स्पेशल रेलसेवा दिनांक 10 नवंबर 2026 को जयपुर से 13:30 बजे रवाना होकर अगले दिन 10:30 बजे गया पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 09726, गया-जयपुर स्पेशल रेलसेवा दिनांक 11 नवंबर 2026 को गया से 13:30 बजे रवाना होकर अगले दिन 10:50 बजे जयपुर पहुंचेगी।

इन स्टेशनों पर होगा ठहराव

यह स्पेशल रेलसेवा मार्ग में गांधीनगर जयपुर, खातीपुरा, दौसा, बांदीकुई, भरतपुर, ईदगाह, टूंडला, इटावा, गोविंदपुरी, सूबेदारगंज एवं मिर्जापुर होते हुए पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन स्टेशनों पर ठहराव करेगी।

10 अनारक्षित डिब्बों सहित कुल 12 डिब्बों की होगी ट्रेन

इस स्पेशल रेलसेवा में 10 अनारक्षित डिब्बे एवं 2 गार्ड डिब्बों सहित कुल 12 डिब्बे होंगे। रेलवे द्वारा त्योहारी सीजन में यात्रियों की सुविधा तथा अतिरिक्त यात्री भार के सुचारू आवागमन के लिए यह विशेष व्यवस्था की गई है।

बेंगलुरु कैंट-खातीपुरा-बेंगलुरु कैंट दो जोड़ी स्पेशल रेलसेवाओं का संचालन

जयपुर (कासं)। रेलवे द्वारा त्योहारों के दौरान अतिरिक्त यात्री यातायात को देखते हुए यात्रियों की सुविधा हेतु बेंगलुरु कैंट-खातीपुरा-बेंगलुरु कैंट दो जोड़ी स्पेशल रेलसेवाओं का संचालन किया जा रहा है। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी अमित सुदर्शन के अनुसार गाड़ी संख्या 06563, बेंगलुरु कैंट-खातीपुरा स्पेशल रेलसेवा दिनांक 11.11.26 को (01 ट्रिप) बेंगलुरु कैंट से बुधवार को 06.00 बजे रवाना होकर शुक्रवार को 11.10 बजे खातीपुरा पहुंचेगी। इसी प्रकार, गाड़ी संख्या 06564, खातीपुरा-बेंगलुरु कैंट स्पेशल रेलसेवा दिनांक 19.11.26 को (01 ट्रिप) खातीपुरा से गुरुवार को 12.25 बजे रवाना होकर शनिवार को 09.00 बजे बेंगलुरु कैंट पहुंचेगी। यह रेलसेवा मार्ग में सर एम. विश्वेश्वरय्या टर्मिनल, बेंगलुरु, चिक्कबाणावर, तुमकूर, अरसीकेरे, बीरूर, दावणगेरे, हावेरि, हुब्बल्लि, धारवाड़, बेलगावि, घटप्रभा, मिरज, सांगली, कराड, सतारा, पुणे, लोनावला, कल्याण, वसई रोड, सूरत, वडोदरा, साबरमती बीजी, आबूरोड, फालना, मारवाड़ जंक्शन, ब्यावर, अजमेर, किशनगढ़ एवं जयपुर स्टेशनों पर ठहराव करेगी। इस रेलसेवा में 04 थर्ड एसी, 06 द्वितीय शयनयान, 08 साधारण श्रेणी, 01 पावरकार एवं 01 गार्ड डिब्बे सहित कुल 20 डिब्बे होंगे।

गाड़ी संख्या 06583/06584, बेंगलुरु कैंट-खातीपुरा-बेंगलुरु कैंट स्पेशल रेलसेवा गाड़ी संख्या 06583, बेंगलुरु कैंट-खातीपुरा स्पेशल रेलसेवा दिनांक 13.11.26 को (01 ट्रिप) बेंगलुरु कैंट से शुक्रवार को 06.00 बजे रवाना होकर रविवार को 11.10 बजे खातीपुरा पहुंचेगी। इसी प्रकार, गाड़ी संख्या 06584, खातीपुरा-बेंगलुरु कैंट स्पेशल रेलसेवा दिनांक 22.11.26 को (01 ट्रिप) खातीपुरा से रविवार को 12.25 बजे रवाना होकर मंगलवार को 09.00 बजे बेंगलुरु कैंट पहुंचेगी।

यह रेलसेवा मार्ग में सर एम. विश्वेश्वरय्या टर्मिनल, बेंगलुरु, चिक्कबाणावर, तुमकूर, अरसीकेरे, बीरूर, दावणगेरे, हावेरि, हुब्बल्लि, धारवाड़, बेलगावि, घटप्रभा, मिरज, सांगली, कराड, सतारा, पुणे, लोनावला, कल्याण, वसई रोड, सूरत, वडोदरा, साबरमती बीजी, आबूरोड, फालना, मारवाड़ जंक्शन, ब्यावर, अजमेर, किशनगढ़ एवं जयपुर स्टेशनों पर ठहराव करेगी। इस रेलसेवा में 02 थर्ड एसी इकोनॉमी, 06 द्वितीय शयनयान, 08 साधारण श्रेणी, 01 पावरकार एवं 01 गार्ड डिब्बे सहित कुल 18 डिब्बे होंगे।

पंचायतीराज चुनाव ड्यूटी में लापरवाही पर चार वाहन मालिकों को नोटिस जारी

अधिग्रहित वाहन अन्यत्र ले जाने, खराब होने एवं निर्वाचन ड्यूटी से अनुपस्थित रहने पर परिवहन विभाग की कार्रवाई

तीन कार्य दिवस में स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश, अन्यथा मोटर वाहन अधिनियम के तहत होगी कार्रवाई

जयपुर (कासं)। पंचायतीराज आम चुनाव के तहत निर्वाचन कार्य के लिए अधिग्रहित वाहनों के निर्धारित ड्यूटी पर उपलब्ध नहीं होने एवं निर्वाचन कार्य में व्यवधान उत्पन्न होने के मामलों में प्रादेशिक परिवहन प्राधिकार, जयपुर (प्रथम) द्वारा चार वाहन मालिकों को नोटिस जारी कर तीन कार्य दिवस में स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। इससे पूर्व इसी प्रकार के मामलों में तीन अन्य वाहनों के परमिट निलंबित किए जा चुके हैं।

प्रादेशिक परिवहन प्राधिकार, जयपुर (प्रथम) के सचिव चम्पालाल ने बताया कि वाहन संख्या आरजे 14 टीएफ 0977 (मारुति टूर एस एसटीडी), वाहन मालिक संजय कुमार मीणा, वाहन संख्या आरजे 14 पीडी 3774 (टाटा 407 स्टारबस) वाहन मालिक रघुवीर सिंह (स्टेज कैरिज परमिट), वाहन संख्या आरजे 14 टीजी 7802 (हुंडई ऑरा) वाहन मालिक अशोक कुमार यादव (ऑल इंडिया टूरिस्ट परमिट) तथा वाहन संख्या आरजे 14 पीजी 1906 (टाटा बस), वाहन मालिक भरत धाबाई (संविदा वाहन परमिट) के वाहनों को पंचायतीराज चुनाव कार्य के लिए अधिग्रहित किया गया था। उन्होंने बताया कि अधिग्रहण के पश्चात संबंधित वाहन मालिकों द्वारा स्वेच्छा से वाहन अन्यत्र ले जाने, फोन रिसीव नहीं करने, वाहन खराब होने एवं निर्वाचन ड्यूटी से अनुपस्थित रहने के कारण निर्वाचन कार्य में व्यवधान उत्पन्न हुआ। इस संबंध में जिला निर्वाचन अधिकारी (यातायात), द्वारा संबंधित वाहनों के विरुद्ध कार्रवाई की अनुशंसा की गई थी।

उन्होंने बताया कि चारों वाहन मालिकों को नोटिस जारी कर तीन कार्य दिवस में अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। निर्धारित अवधि में संतोषजनक जवाब प्रस्तुत नहीं करने पर मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 86 के अंतर्गत संबंधित वाहनों के परमिट निलंबन अथवा निरस्तीकरण की नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक, मुद्रक, सम्पादक कैलाश त्रिवेदी के लिए उदय प्रिन्टर्स 43-ए, माली कॉलोनी चांदपोल बाहर जयपुर से मुद्रित एवं डी-38, प्रधानपथ, चौमू हाउस, सी स्कीम, जयपुर से प्रकाशित। सम्पादक कैलाश त्रिवेदी* । *पीआईबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार।
फोनः 0141-4038281, Email:- lokjeewanjpr@gmail.com भीलवाड़ा कार्यालयः 207-214, नागौरी गार्डन, लोकजीवन कॉम्पलेक्स, भीलवाड़ा। फोनः 01482-355985, Email:- lokjeewan@gmail.com, मो. 8306792625